फाल्गुन शुक्ल पक्ष एकादशी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 254 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
10 मार्च 2025 सोमवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

मप्र विधानसभा बजट सत्र की अभिभाषण से शुरुआत, कल आएगा आर्थिक सर्वेक्षण

राज्यपाल ने रखा सरकार का रोडमैप, कांग्रेस ने जताए इरादे

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

राज्यपाल मंगुभाई पटेल के अभिभाषण के साथ आज राज्य विधानसभा का बजट सत्र प्रारंभ हो गया। पटेल ने अभिभाषण में राज्य सरकार के एक वर्ष् से अधिक कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए भविष्य की योजनाओं का खाका पेश किया। उन्होंने नदी जोड़ो परियोजनाओं की शुरुआत के साथ ही राज्य में देश विदेश के उद्योगपतियों से निवेश आमंत्रित करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में भी बताया व कहा कि राज्य में इस अवधि में आए निवेश प्रस्ताव जमीन पर आकार देने के प्रयास प्रारंभ कर दिए गए हैं। उन्होंने किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों के हित् में उठाए गए विभिन्न् कदमों के बारे कहा कि आने वाले चार वर्ष में इनके लिए और अधिक कार्य किए जाएंगे। ढांचागत सुविधाओं के विकास के लिए सडक निर्माण, सिंचाई सुविधा बढाना, नवकरणीय ऊर्जा के विकास और अन्य कार्य में तेजी लाई जाएगी। 3 साल में किसानों को 20 लाख सोलर पंप बांटे जाएंगे। अब 5 रू में सिंचाई के लिए स्थायी बिजली कनेक्शन दिया जाएगा। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान जहां राज्य सरकार की उपलब्धियों पर सत्ता पक्ष के विधायकों ने मेज थपथपाई, वहीं मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के सदस्य टोकाटाकी करते नजर आए। विपक्ष के नेता उमंग सिंघार भी कुछ कहने का प्रयास करते देखे गए। अभिभाषण के बाद सदन में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह और सदन के पूर्व सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

किसानों-कांग्रेस का विस घेराव मंच टूटने से मची अफर तफरी

इधर सत्र के पहले ही दिन किसान कांग्रेस विधानसभा का घेराव करने निकली लेकिन शुरुआत में ही मंच टूटने से हड़कंप मच गया। इसमें कई कार्यकर्ता घायल हुए हैं। प्रदेश अध्यक्ष व अन्य नेता इन्हें लेकर तत्काल अस्पताल की ओर दौड़े फिर थोड़ी देर बाद लौटकर प्रदर्शन शुरु हुआ। इसमें पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं। विस की तरफ बढने से पहले कांग्रेस नेता रंगमहल चौराहे पर एकत्र हुए। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने दावा किया कि इस बार कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस की लाठियों, डंडों और पानी की बौछारों से नहीं डरेंगे।

नकाब पहनकर पहुंचे कांग्रेस विधायक

इससे पहले आज बजट सत्र के प्रथम दिवस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक मुंह पर काले नकाब लगाकर विधानसभा पहुंचे और तेवरों का संकेत दिया। उन्होंने हाथों में तख्तियां लेकर परिसर में गांधी प्रतिमा पर नारेबाजी की। सिंघार ने कहा कि हम इसलिए नकाब पहनकर आए हैं कि सरकार चर्चा से मुंह छुपा रही है इसलिए केवल 9 दिन का सत्र बुलाया है। सत्र की अवधि बढ़ाई जाना चाहिए। क्योंकि जनहित के कई मुद्दे हैं, जिन पर सदन में चर्चा आवश्यक है। सिंघार ने कहा- सरकार जनता की आवाज दबाना चाहती है। यदि सरकार विकास कर रही है तो विधानसभा के अंदर बहस करें। मगर न नौकरी है न भ्रष्टाचार पर अंकुश लग रहा है। वहीं पशुपालन मंत्री लखन पटेल ने कहा- विपक्ष ढंग से विरोध भी नहीं कर पा रहा है। हम सारे सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हैं। इसके लिए 10 दिन का समय पर्याप्त है।

चैंपियन ट्रॉफी फायनल : यह शानदार नहीं, संघर्ष भरी जीत

वैसे तो क्रिकेट में देखा जाए तो एक रन की जीत हो या फिर एक ओवर रहते जीतना हो, जीत तो जीत होती है। इस जीत का पूरे देश में जश्न मना। पूरे देश में ही क्यों दुनिया में जहां-जहां क्रिकेट प्रेमी भारत वंशी रहते हैं, उन्होंने इस जीत को शानदार और जानदार बताते हुए इस पर जमकर खुशी का इजहार किया। पाकिस्तान में भी कुछ जगहों पर भारत की जीत का श्न मना लेकिन मध्यप्रदेश के महू में एक समुदाय के लोगों ने उनके इलाकों में पटाखे फोड़ने और आतिशबाजी करने पर बवाल खड़ा किया।

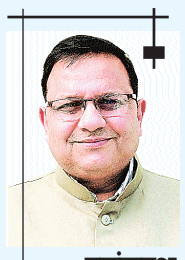

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

सही मायनों में देखा जाए तो न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की यह जीत शानदार नहीं कही जा सकती। यह एक जबरदस्त संघर्ष से भरी जीत थी। 251 रनों के लक्ष्य का हम 40 -45 ओवर में पीछा कर लेते तो इसे जोरदार जीत की कतार में जरूर शुमार किया जा सकता था। जैसे कि लीग मैच में भारत 248 रनों पर सिमटने के बावजूद 44 रनों से न्यूजीलैंड को पछाडने में कामयाब हो गया था।

मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि इसके पीछे मेरा अपना नजरिया है। मेरी अपनी राय है। मेरी कुछ दलीलें हैं। पहले बल्लेबाजी करने को उतरी न्यूजीलैंड ने भले तेजी से रन बनाने की कोशिश की। लेकिन हमारे तीन शानदार स्पिनर यानि वरूण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव ने मात्र पंद्रह रनों के भीतर किवी टीम के तीन प्रमुख बल्लेबाजों यानी रचिन रवीनंद्रन, यंग और वियिम्सन को मात्र 75 रनों के स्कोर पर समेटकर प्रतिव्दंदी टीम को बैक फुट पर ला दिया। बची खुची कसर रवीद्रमं जड़ेजा ने किवी के आक्रामक बल्लेबाज टाम लेथम को आऊट करके स्कोर को 108 पर रोक दिया।

वैन फिलिप्स जैसे आक्रामक बल्लेबाज रक्षात्मक मुद्रा में आ गए। वे भी 52 गेंदों में 34 रन बनाकर चल दिए। तब स्कोर मात्र 165 था। तब लग रहा था कि न्यूजीलैंड का 200 पार पहुंचना भी मुश्किल है। लेकिन उनके पुछल्ले बल्लेबाज ब्रेसवेल ने 40 गेदों में 53 रन की नाबाद पारी खेलकर स्कोर 250 के पार पहुंचा दिया। वो तो सेंटनर 11 रनों पर विरा के शानदार थ्रो पर रन आऊट हो गए वरना स्कोर 270 तक भी जा सकता था। चार स्पिनरों के साथ उतरी भारत की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया लेकिन दोनों भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद शमी और हार्दिक पंडया की जमकर पिटाई हुई। शमी ने अपनी गेद पर कैच छोड़ा तो रोहित सहित तीन और फील्डरों ने कैच छोड़े।

251 रनों का पीछा करने उतरी भारतीय पारी की शुरूआत लाजवाब था। रोहित शर्मा ने अपनी ख्याति के मुताबिक प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट की शानदार शतकीय साझेदारी की। शुभमन गिल भी दूसरे छोर से उनको सहारा दे रहे थे। लेकिन शुभमन गिल ने जैसे भी आक्रामक खेल दिखाने की कोशिश करते हुए कवर पर उछाल भरा तेज शाट खेला, लेकिन उनके सामने खड़े वेन फिलिप्स ने न भूतो न भवियष्ति वाला कैच पकड़ डाला। दो फुट से ज्यादा ऊंची उछाल भरते हुए उन्होंने शुभमन का ऐसा कैच पकड़ा मानों वह छलाह लगाकर किसी पेड़ी ऊंची डगाल भर कर फल तोड़ रह हों। यहां तक तो सब ठीक था लेकिन एक रन बाद ही विराट कोहली ऐसी गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए जिसे वे सीधे बल्ले सें खेलने के बजाए तिरछे बैट से खेलना चाहते थे। इसके बाद भी उम्मीदें कायम थीं क्योंकि रोहित क्रीज पर थे। लेकिन 76 रन बनाकर रोहित शर्मा ने अपना विकेट गवांकर आत्मघात कर डाला। रचिन की वे ऐसी गेंद पर आगे बढ़कर छक्का लगाने क्रीज से बाहर निकल पड़े जिसमें फ्लाइट ही नहीं थी। इसके बाद अय्यर, और अक्षर पटैल ने भी क्रीज में कदम जमाने के बाद आत्मघाती तरीके से अपने विकेट गवां दिए।

इस मौके इस पूरी चैंपियन ट्राफी के दौरान समझदारी से बल्लेबाजी कर रहे केएल राहुल ने रक्षात्मक और बीच बीच में आक्रामक शाट लगाकर भारत को हार के मुंह के बचाया। हार्दिक पंडया ने 18 रन की छोटी लेकिन आक्रामक पारी खेलकर भारत को जीत के करीब ला दिया। लेकिन पंडया भी जीत के मुहाने पर गलत शा खेल बैठे। लेकिन भारत के लिए विश्वास की कसौटी पर खरे उतरने वाले रवींद्र जडेजा के साथ पारी को आगे बढ़ाते हुए भारत 12 साल बाद चैपियन ट्राफी में अपनी जीत का तीसरी बार परचम फहरा सकी। लेकिन टी-20 मैचों के चलते टेस्ट मैचों में भारतीय बल्लेबाजों के टेमपरामंट की जो कमी झलक रही है, उसे 50 ओवरों के बन डे मैचों में बी दूर करने की दरकार छलक रही है। उम्मीद की जाना चाहिए कि जीत के जश्न में यह कमी फिर से छुपकर न रह जाए।

बघेल के आवास पर ईडी का छापा, पंजाब से जोड़ा कनेक्शन

बेटे के ठिकानों पर भी छापेमारी

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल के घर पर ईडी ने छापेमारी की है। उनके भिलाई के पदमनगर स्थित घर पर सुबह चार गाड़ियों में टीम पहुंची, अब दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ के 14 ठिकानों पर छापे प? हैं। बघेल के बेटे चैतन्य बघेल से जुड़े कई ठिकानों पर भी रेड पड़ी है। छापे की यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़े कथित शराब घोटाले के साथ ही कोल लेवी और महादेव सट्टा ऐप से जुड़ी मानी जा रही है। इसके अलावा भिलाई के नेहरूनगर में मनोज राजपूत, चरोदा में अभिषेक ठाकुर और संदीप सिंह, कमल अग्रवाल किशोर राइस मिल दुर्ग, सुनील अग्रवाल सहेली ज्वेलर्स दुर्ग और बिल्डर अजय चौहान के यहां कार्रवाई चल रही है। इस छापे के बाद भूपेश बघेल के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया गया है कि -सात वर्षों से चले आ रहे झूठे केस को जब कोर्ट में बर्खास्त कर दिया गया तो ईडी के मेहमानों ने पूर्व सीएम के घर पर दबिश दी है। इस षड्यंत्र से कोई पंजाब में कांग्रेस को रोकने का प्रयास कर रहा है, तो यह गलतफहमी है। उधर छत्तीसगढ़ कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि, भाजपा के इशारे पर ईडी बघेल के भिलाई निवास पर पहुंची है।

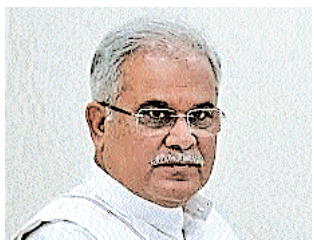

दरअसल, एक साल पहले महादेव सट्टा ऐप केस में आर्थिक अनुसंधान शाखा ने ईडी की शिकायत पर बघेल समेत 21 आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज की थी। इसमें ऐप प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल समेत कई अज्ञात पुलिस अफसर और कारोबारियों के नाम भी शामिल हैं। उसी समय बघेल ने इसे राजनीतिक षड्यंत्र बताया था। वहीं छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है।

अब ललित मोदी न घर के रहे न घाट के

नई दिल्ली। आईपीएल के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी अजब चक्कर में फंस गये हैं। उन्होंने भारत का पासपोर्ट सरेंडर कर एक छोटे से देश वानुआतु की नागरिकता ले ली थी। वानुआतु के प्रधानमंत्री ने ललित मोदी को झटका दे दिया है। पीएम जोथम नापत ने नागरिकता आयोग से ललित मोदी का पासपोर्ट तत्काल प्रभाव से रद्द करने को कहा है। पीएम ने कहा कि मैंने नागरिकता आयोग को निर्देश दिया है कि वह मोदी का वानुआतु पासपोर्ट रद्द कर दें।क्योंकि मुझे जानकारी मिली है कि इंटरपोल ने मोदी को लेकर भारत सरकार की ओर से भेजे गए अलर्ट नोटिस को न्यायिक साक्ष्य के अभाव में दो बार खारिज किया था। उन्होंने कहा कि वनुआतु का पासपोर्ट रखना एक विशेषाधिकार है ना कि कोई अधिकार। लिहाजा वैध कारणों से ही नागरिकता लेनी चाहिए। ज्ञात हो कि ललित मोदी ने सात मार्च को लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में अपना पासपोर्ट सरेंडर कर दिया था।

सीधी के पास भीषण सड़क हादसे में 8 मौतें

सीधी, एजेंसी

मप्र के सीधी में सिटी कोतवाली इलाके में दो वाहनों की टक्कर में आठ लोगों की मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए। गंभीर घायलों को रीवा रेफर किया गया है। मप्र सरकार ने मृतकों के परिवारों को दो दो लाख की आर्थिक सहायता का ऐलान किया है। जानकारी के मुताबिक सीधी से एक परिवार के 22 लोग मुंडन कराने के लिए मैहर के मंदिर जा रहे थे। इसी दौरान उपनी गांव के पास तूफान जीप वाहन एक बल्कर से टकरा गया। आमने-सामने

भिड़ंत में 8 लोगों की जान चली गई। इस घटना पर सीएम मोहन यादव ने एक्स हैंडल पर लिखा- भीषण सड़क दुर्घटना में मैहर माता के दर्शन करने जा रहे यात्री वाहन और ट्रक की भयानक टक्कर में आठ यात्रियों की असामयिक दर्दनाक मृत्यु का अत्यंत ही दुखद समाचार मिला है। मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि, गंभीर घायलों को 1-1 लाख रुपये एवं सामान्य घायलों को 50-50 हजार रुपये की राशि स्वीकृत करने के निर्देश दिए हैं।

इजरायल ने गाजा की बिजली काटी, बंधकों की तलाश

इजरायल-हमास के बीच सीजफायर की आशंका

तेल अबीब, एजेंसी

इजरायल और हमास के बीच दूसरे चरण के सीजफायर की संभावना बनी हुई है लेकिन इससे पहले इजरायल ने संकटग्रस्त गाजा में बिजली की सप्लाई रोक दी है, जिससे पानी की आपूर्ति भी बाधित हुई है। हमास ने इसे इजरायल की पालिसी बताया है। इजरायल का कहना है कि वो गाजा की बिजली सप्लाई को तुरंत प्रभाव से बंद कर रहा है। ज्ञात हो कि दोनों के बीच पहले चरण के सीजफायर की अवधि पिछले हफ्ते खत्म हो गई थी। ऐसे में इजरायल चाहता है कि हमास इजरायल के बाकी बचे बंधकों को भी रिहा करे। इजरायल का कहना है कि अभी भी हमास के कब्जे में 59 बंधक है। ऐसे में वह इन

बंधकों की रिहाई चाहता है, जिस वजह से हमास पर दबाव बनाने के लिए उसने यह कदम उठाया है। उसने कहा है कि हम अपने पास मौजूद हर रास्ते का इस्तेमाल करेंगे ताकि बंधकों की रिहाई हो और गाजा से हमास का खात्मा सुनिश्चित किया जा सके। गाजा में राहत सामग्री, तेल और दूसरी चीजें लेकर जाने वाली गाड़ियों का रास्ता भी रोक दिया गया था।

महू में हालात सामान्य, शहर की सड़कों पर सुरक्षा बल मुस्तैद

चैपियंस ट्राफी की जीत के जश्न में हुआ था उपद्रव

महू, एजेंसी

इंदौर के समीप शहर महू में देर रात चैपियंस ट्राफी की जीत के जश्न में उपद्रव के बाद से पुलिस रातभर संवेदनशील इलाकों सहित पूरे शहर में गश्त करती रही। सुबह भी कडी सुरक्षा है। कलेक्टर, डीआईजी और एसपी धान मंडी चौराहे सहित अन्य इलाकों में रात तीन बजे तक पैदल घूमकर स्थिति जायजा लेते रहे। हालांकि सुबह स्थिति सामान्य रही और रोज की तरह बाजार खुले। महू पुलिस इस मामले की जांच में जुटी की है कि विवाद की शुरुआत कहां से हुई। इसके साथ ही इसमें शामिल उपद्रवियों की तलाश भी शुरू हो गई है। सीसीटीवी फुटेज और सोशल मीडिया पर चल रहे वीडियो के

आधार पर 13 लोगों को हिरासत में लिए जाने की सूचना। घटना वाले क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। इंदौर ग्रामीण एसपी हितिका वसल ने बताया, भारत और न्यूजीलैंड के मैच के बाद जुलूस निकल रहा था, जिसमें कुछ लोगों ने मस्जिद के बाहर पटाखे फोड़े. इसके बाद दोनों पक्षों में विवाद की स्थिति पैदा हुई और दोनों तरफ से पथराव हुआ था.

13 साल पुराना आयकर का केस जीते अभिनेता शाहरुख

फिल्म रा.वन से हुई कमाई का मामला

मुंबई, एजेंसी

अभिनेता शाहरुख खान को इनकम टैक्स से जुड़े एक मामले में बड़ी जीत मिली है। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण ने 2011-12 के वित्तीय वर्ष के लिए आयकर विभाग द्वारा शुरू की गई री-असेसमेंट प्रोसीडिंग के आदेश पर रोक लगा दी है। मामला फिल्म रा.वन की कमाई पर ब्रिटेन में चुकाए गए टैक्स क्रेडिट से जुड़ा है। शाहरुख और रेड चिली एंटरटेनमेंट के बीच हुए समझौते के अनुसार, फिल्म की 70 फीसद शूटिंग यूके में होनी थी। इसलिए 70 प्रतिशत आय विदेशों में मानी गई, जिस पर यूके का टैक्स लगना था। इसमें विद-होल्डिंग टैक्स भी शामिल था। शाहरुख ने फिल्म

से 83.42 करोड़ रुपए की इनकम घोषित की थी। टैक्स अधिकारी ने यूके में चुकाए गए टैक्स क्रेडिट के उनके दावे को खारिज कर दिया था तथा इनकम को 84.17 करोड़ रुपए के रूप में पुनर्मूल्यांकन किया गया।अब अपीलीय न्यायाधिकरण ने माना कि 4 साल की अवधि के बाद दोबारा मूल्यांकन कानूनी रूप से उचित नहीं था।

छोटी-बड़ी खबरें

राजभोज एयरपोर्ट से अब दिल्ली के लिए सात फ्लाइट

भोपाल. राजभोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दिल्ली जाने के लिए अब आपको 7 डायरेक्ट फ्लाइट की सुविधा मिलेंगी। इंडिगो और एयर इंडिया की इन लाइट्स की सुविधा समर सीजन में जारी रहेगी। नई उड़ान संया 6-ई-2433 और 6-ई-2493 दोपहर 2.40 बजे दिल्ली से भोपाल पहुंचेगी और दोपहर 3.10 बजे भोपाल से दिल्ली के लिए रवाना होगी। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि अब राजधानी भोपाल से हफ्ते में 5 की बजाय 7 उड़ानें उपलब्ध होंगी। यह बदलाव यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए किया गया है। राजा भोज एयरपोर्ट से हर महीने पहले, तीसरे और पांचवें बुधवार और रविवार को भोपाल से दिल्ली के लिए 7 उड़ानें उपलब्ध होंगी। इनमें 5 इंडिगो और 2 एयर इंडिया की उड़ानें शामिल हैं। अन्य दिनों में भोपाल से दिल्ली के लिए उड़ानों की संया 5 ही रहेंगी।

शहरवासी पार्कों के रिनोवेशन से प्रकृति का उठा सकेंगे लुत्फ

भोपाल. गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। हर कोई गर्मी से बचने के लिए प्रकृति के नजदीक जाना चाहता है। इसका एक सुलभ तरीका पार्क हो सकते हैं। इसलिए नगर निगम कॉलोनियों के पार्कों में रिनोवेशन का कार्य करने जा रही है। ताकि पार्क गर्मी के मौसम के अनुसार तैयार हो सकें। पार्कों की हरियाली पर मौसम का कोई असल नहीं पड़े। लोग परिवार के साथ छुट्टियों का मजा ले सकें। सुबह-शाम पार्कों में पहुंचकर प्रकृति का आनंद ले सकें, जिसके लिए कई सुविधाओं को बढ़ाया जा रहा है। इसके अलावा, पार्कों में प्यास बुझाने के लिए साफ पानी सहित अन्य तरह के इंतजाम किया जा रहा है, जिससे स्वस्थ और आरामदायक वातावरण प्राप्त हो सके।

होली का चढ़ने लगा रंग, थोक बाजार में पिचकारियों की धूम

रंग उड़ाने के लिए इलेक्ट्रिक गन के साथ तलवार व कुल्हाड़ी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रंगों के पर्व होली को अब एक सप्ताह का समय रह गया है। ऐसे में शहर में होली का उत्साह नजर आने लगा है। शहर के बाजारों में भी होली का रंग चढ़ने लगा है। इस बार होली पर रंग उड़ाने के लिए चार्जेबल ऑटोमेटिक इलेक्ट्रिक गन की कई वैरायटियां आई है, इसके साथ ही तलवार, कुल्हाड़ी, त्रिशूल के शेप में भी पिचकारियां है, जो लोग खूब पसंद कर रहे हैं।

वहीं बच्चों से लेकर युवाओं तक 400 से अधिक वैरायटियों की पिचकारियां बाजार में है। वहीं होली के पहले रंग, गुलाल और पिचकारियों के बाजार भी सजने लगे हैं। पुराने शहर में पिचकारियों की थोक दुकानों पर खरीदारी का सिलसिला शुरू हो गया है। आने वाले दिनों में बिक्री और बढ़ने की संभावना है। इस बार बाजारों में कई वैरायटियों की पिचकारियां है, जिसकी कीमत 5 रुपए से लेकर ढाई हजार रुपए तक है। विक्रेताओं का कहना है कि इस बार पिचकारियों के दामों में भी पिछले साल की तुलना में खास अंतर नहीं है।

इस दौरान विक्रेता धर्मेंद सबनानी ने बताया कि पिचकारियों की कई वैरायटियां हमारे पास है। पबजी गन, पबजी टैंक आदि खूब पसंद किए जा रहे हैं। इसी प्रकार गुलाल टैंक भी डिमांड में है। कलर में हर्बल अधिक पसंद किया जा रहा है। इसी प्रकार फेस मास्क, बाल आदि भी कई तरह की वैरायटियों है।

स्प्रे और शॉट वाली इलेक्ट्रिक गन

इस बार ऑटोमेटिक इलेक्ट्रिक गन की खासी डिमांड बाजार में है। थोक विक्रेता मो शेबी ने बताया कि इस बार इलेक्ट्रिक गन काफी पसंद की जा रही है। यह चार्ज होती है, इसमें एक छोटा सा टैंक लगा है, जिसमें से स्प्रे के साथ-साथ शॉट भी चलते हैं। हमारे पास 600 रुपए से 2500 रुपए कीमत तक है। जहां तक रेट की बात है, पिचकारियों के दामों में पिछले साल के मुकाबले खास फर्क नहीं आया है।

गुलाल गन पिचकारी भी डिमांड में

थोक विक्रेता हर्ष ग्वालानी ने बताया कि इस बार गन का काफी क्रेज है, हमारे पास कई वैरायटियों की गन है, इसमें ऑटोमेटिक गन के साथ गुलाल गन पिचकारी भी लोगों को खूब भा रही है। इसमें गुलाल डालकर उड़ाया जाता है, जो काफी प्रेशर से निकलता है। इसी प्रकार तलवार, कुल्हाड़ी और त्रिशुल वाली पिचकारी भी इस बार नई आई है।

50 लाख रुपए से बनेगी विक्रमादित्य मंदिर रोड

विक्रमादित्य महोत्सव में गूंज सिंधी भगत मुकुट पहनाया गया, पूजा अर्चना भी हुई

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

राजावीर विक्रमादित्य महोत्सव संतनगर में मनाया गया। शुक्रवार रात उल्हासनगर के भगत मोहनलाल की सिंधी भगत से हुआ, लेकिन विधिवत आयोजन शनिवार को राजा वीरि मंदिर में किया गया। यहां पंडित नारायण शर्मा ने विधि विधान से मुकुट की पूजा कर उसे राजा वीर विक्रमादित्य की प्रतिमा पर पहनाया। पहले दिन का कार्यक्रम समिति के पूर्व पदाधिकारी प्रेमचंद तेजवानी, नारीमल नरियानी, काका रूपचंद रायचंदानी एवं नारी तनवानी को समर्पित रहा।

सिंधी भगत पर थिरके श्रोता: शनिवार सुबह पूजा अर्चना के बाद विश्व शांति एवं मानव कल्याण के लिए बहिराणा साहिब का आयोजन किया गया। संतनगर की रमेश एण्ड सिंधी म्यूजिकल पार्टी ने जब सिंधी भक्ति गीत प्रस्तुत किए। समिति के अध्यक्ष किशोर तेजवानी की अध्यक्षता में समारोह आयोजित किया गया। एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी ने बताया कि 50 लाख की लागत से विक्रमादित्य मंदिर रोड का सीमेंट कांक्रीट किया जाएगा। साथ ही छह लाख की लागत से झूलेलाल मंदिर में शेड का निर्माण भी चैटीचंड से पहले किए जाने की बात कही। कार्यक्रम को पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी एवं सिंधी सेन्ट्रल पंचायत अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी ने भी सम्बोधित किया जबकि सिंधी महिला पंचायत अध्यक्ष किरण वाधवानी ने झूलेलाल की शोभा यात्रा में महिलाओं की अधिक से अधिक उपस्थिति सुनिश्चित करने जोर दिया। गणमान्य नागरिकों को अध्यक्ष किशोर तेजवानी एवं महासचिव जेठानंद मूलचंदानी ने शाल ओड़ाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में पार्षद अशोक मारन, विक्रमादित्य महोत्सव समिति से जुड़े संरक्षक ईश्वरदास हिमथानी, लखमीचंद नरियानी, नरेश चोटरानी, सुरेश जसवानी, हीरो हिन्दू इसरानी, जानीमल मूलचंदानी, नंदलाल दादलानी, घनश्याम लालवानी, दिनेश वाधवानी, कमल वीधानी, वासुदेव वाधवानी, नारायणदास लालवानी, जानीमल भारानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे। संचालन सुरेश जसवानी ने एवं आभार महेश खटवानी ने किया।

भोपाल. राजधानी में कई जगह सड़कों की हालत जर्जर हो गई है।

महिला दिवस: स्पर्धाएं, स्कूल-कॉलेजों के छात्र शामिल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में अर्श फाउंडेशन के तत्वावधान में महिला दिवस पर अंतर महाविद्यालयीन नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता एवं एकल नृत्य प्रतियोगिता विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियो ने प्रतिभागिता की। नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में बीएसएसएस महाविद्यालय ने प्रथम स्थान, एक्सलैंस महाविद्यालय ने द्वितीय स्थान और आईएएस महाविद्यालय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल नृत्य प्रतियोगिता (विद्यालयीन) में शिवानी ने प्रथम, अनुप्रिया ने द्वितीय एवं देव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । एकल नृत्य प्रतियोगिता महाविद्यालयीन में भूमिका बघेल ने प्रथम, संस्कृति वर्मा ने द्वितीय एवं आकृति पांडे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही अर्श फाउंडेशन द्वारा महिलाओं का नारी रत्न सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। इस समारोह में पर्वतारोही ज्योति रात्रे, पर्वतारोही भावना देहरिया, सुमन दुबे प्रबंधक एनआईसीपी, डॉ दीप्ति शुक्ला माइलस्टोन पब्लिक स्कूल, प्राचार्या हर्षिता शास्त्री विमल विद्या मंदिर स्कूल, अर्पणा धुवारे, प्रतिभा द्विवेदी, पूजा जोशी, प्राचार्या रेखा (जीएम कान्वेंट स्कूल, नेहा बग्गा, संध्या मौर्य, पार्षद वार्ड 32 आरती अनेजा, डॉ रेखा भटनागर, पूजा गौड़, मंजु हतवलने, कविता अवसरकर, अनिता यादव, प्रियंका जैन, कलाकार प्रियंका जी को सम्मानित किया गया।

मेट्रो एंकर

सांसद आलोक शर्मा ने सौंपे नागरिकता के कागजात

नागरिकता मिलने पर नम आंखों से बोले सिंध से आए विस्थापित 'आज नया जन्म मिला'

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सिंध प्रांत से आए 9 पाक विस्थापित शरणार्थियों को भारतीय कहलाने का हक मिला गया। सांसद आलोक शर्मा ने अधिकारियों के साथ 9 पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रमाण-पत्र प्रदान किए। सांसद शर्मा ने कहा मुस्कुराइए अब आप भारत के नागरिक हैं उन्होंने कहा कि सीएए देश में बसे लाखों लोगों को सिर्फ नागरिकता देने का नहीं, बल्कि न्याय और अधिकार देने का कानून है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों की तुष्टिकरण की नीति के कारण 1947 से 2014 तक देश में शरण लेने वाले लोगों को अधिकार और न्याय नहीं मिला। उन्होंने कहा कि इन लोगों को न सिर्फ पड़ोसी देशों में बल्कि यहां भी प्रताड़ना सहनी पड़ी। सांसद ने कहा कि ये लाखों-करोड़ों लोग तीन-तीन पीढ़ियों तक न्याय के लिए तरसते रहे लेकिन विपक्ष की तुष्टिकरण की नीति के कारण इन्हें न्याय नहीं मिला परन्तु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन लाखों-करोड़ों लोगों को न्याय देने का काम किया है। नागरिकता मिलने के बाद कविता ने बताया कि भारत आने के बाद बच्चों की पढ़ाई के लिए डॉक्यूमेंट मांगे जाते थे, लेकिन अब नागरिकता मिल गई है तो बच्चे पढ़ लिखकर अच्छे इंसान बनेगे. मुझे बहुत खुशी हो रही है। नागरिकता मिलने पर बताया कि आज उनका भारतीय नागरिक बनने का सपना पूरा हो गया. आज उन्हे नया जन्म मिला है. नागरिकता मिलने पर विस्थापितों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। भारतीय नागरिक बनने के बाद खुशी जाहिर करते हुए पाक विस्थापितों ने बताया कि वे भारतीय नागरिक बनने पर बेहद खुश हैं,उन्होंने इस खुशी को मिठाई बांट और एक दूसरे को माला पहना कर बधाई दी. अपना घर बार परिवार, व्यापार कारोबार सब कुछ छोड़कर एक दशक से ज्यादा समय पहले अपने वतन आए इन 9 विस्थापितों का संघर्ष आज जाकर थमा है।

आज मुझे नया जन्म मिला

भारत की नागरिकता पाने वाले भजन लाल ने बताया कि वह करीब 14 साल पहले 2011 पाकिस्तान से प्रताड़ित होकर भारत आए थे. यहां आने के बाद वतन लौटने की खुशी थी, लेकिन सुविधाओं का अभाव भी था। भजन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है और भारत माता की जयकार लगाई। साथ ही कहा कि अब आज मुझे नया जन्म मिला है. वहीं नागरिकता मिलने के बाद चन्दर थारानी ने कहा भारत आने के बाद बच्चे पढ़ रहे थे। आगे की पढ़ाई के लिए डॉक्यूमेंट मांगे जाते थे. लेकिन अब नागरिकता मिल गई है तो बच्चे पढ़ लिखकर अच्छे इंसान बनेगे। मुझे बहुत खुशी हो रही है। इस अवसर पर सिंधु सेना अध्यक्ष राकेश कुकरेजा, सिंधी सेंट्रल पंचायत के महासचिव हरीश नगदेव, अनिल ठारवानी, दीपक राजानी, रीटा बजाज सहित बड़ी संख्या में मातृ शक्ति उपस्थित थी.

शिवरात्रि माह पर 'महाशांति भजन-कीर्तन'

हिरदाराम नगर. जगदगुरु श्री नारायण गुरुदेव भक्त जन समाज सीटीओ, बैरागढ़ द्वारा महापर्व शिवरात्रि माह पर महाशांति भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। भोपाल के चेयरपर्सन के.टी. कन्जन, समाज के अध्यक्ष पी. अरविन्दाक्षन के साथ समाज ने प्रार्थना कर विश्व कल्याण के लिए गुरूजी एवं भोलेनाथ से सामूहिक शांति प्रार्थना की। बता दे वर्ष 1988 में महाशिवरात्रि के दिन अरुवीपुरम, तिरूवन्दपुरम, केरल, में श्री नारायण गुरुदेव जी ने महादेव शिवजी की स्थापना कर सभी सभी जनों को मंदिर में प्रवेश की अनुमति प्रदान की थी। कोई भी भेदभाव के बिना, भाई चारे को बढ़ावा देकर मानव को ही सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया है एवं गुरूजी ने लिखा गया है कि जातिभेदम मतद्वेषम्, एतुमिल्लाते सर्वरूम सोदरत्वेन वाषुत्र मातृका स्थानमाणित। इस प्रार्थना सभा में पार्षद कुसुम चतुर्वेदी, दीपक चतुर्वेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशेष अतिथि में मानसिंह, पृथ्वीराज त्रिवेदी, महावीर सिंह, मनोज कुशवाह, संदीप मालवीय, नारायण सिंह, देवनंद सिंह, गंगा सिंह, संध्या शर्मा, अनीता वर्मा, नीतू रायकवार, नीलम तिवारी, प्रज्ञा दुबे, उषा शर्मा इत्यादि उपस्थित थे।समापन में समाज के सचिव योगेश कुमार ने आभार व्यक्त किया।

पेंशन मामले में पीएम के नाम भेजे 1 लाख पोस्टकार्ड

मप्र अधिकारी कर्मचारी संघर्ष मोर्चा ने पेंशन के लिए उठाई अपनी आवाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र अधिकारी कर्मचारी संघर्ष मोर्चा ने यूपीएस पेंशन योजना वापस लेने एवं पुरानी पेंशन योजना ओपीएस लागू करने की मांग समर्थन में प्रधानमंत्री के नाम 1 लाख पोस्टकार्ड भेज दिए हैं यह पोस्टकार्ड प्रदेश के सभी 55 जिलों से संघर्ष मोर्चा के सदस्य प्रधानमंत्री को भेजे गये हैं। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि कर्मचारियों के लिए यूपीएस पेंशन योजना, एनपीएस पेंशन योजना से भी ज्यादा नुकसानदायक है केंद्र सरकार कर्मचारियों का पेंशन योजना के नाम पर दोहन कर रही है। केंद्र सरकार ने पहले एनपीएस योजना बाद में यूपीएस पेंशन योजना लाकर लाखों कर्मचारियों को धोखा किया है।

कर्मचारियों का बड़ा आर्थिक नुकसान

एनपीएस यूपीएस पेंशन योजना में कर्मचारियों को मात्र पेंशन 15 से 2000 बनाई जाएगी। जमा पूंजी भी वापस इन योजनाओं में कर्मचारियों को पूरी नहीं मिलेगी। जिस कारण चारों तरफ से कर्मचारियों का बड़ा आर्थिक नुकसान होगा।

बीडीए सीईओ जैन को हटाया मंत्री के दामाद को सौंपा जिम्मा

भोपाल। भोपाल विकास प्राधिकरण में मुख्य कार्यपालन अधिकारी रहे प्रदीप जैन को हटा दिया है। उनकी जगह आईएएस श्यामबीर सिंह को मौका दिया है। सिंह पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के दामाद बताए जाते है। जम्मू कश्मीर में प्रतिनियुक्ति पर थे। तीन से चार साल की सेवा देने के बाद हाल में लौटे है। सिंह मप्र कैडर 2018 बैच के अफसर है। सिंह ने जम्मू कश्मीर में सेवाओं में सफल अमरनाथ यात्राएं कराई। कई प्रसिद्ध मेले करा लौटे पोस्टिंग के लिए प्रतीक्षा में थे।

रूही खान को एमएसएमई भेजा: लंबे समय से पदस्थापना का इंतजार कर रही 2013 बैच की आइएएस रूही खान को एमएसएमई में उप सचिव बनाया है। वहीं राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी एवं उज्जैन के अपर कलेक्टर महेंद्र सिंह कवचे को दतिया भेजा है जबकि प्रदीप जैन को बीडीए से हटाकर जीएडी में उप सचिव बनाया।

चार मिशन को सीधे नहीं मिलेगी बजट में राशि, पूंजीगत व्यय पर जोर

विधानसभा सत्र आज से शुरू, मंगलवार को पेश होगा बजट

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बताई 4 जाति किसान, महिला, गरीब और युवा के कल्याण के लिए शुरू किए गए 4 मिशन के लिए सरकार सीधे तौर पर बजट का इंतजाम न करते हुए अप्रत्यक्ष तौर पर करने जा रही है। मप्र विधानसभा सत्र के सोमवार से शुरू हुए सत्र में पेश किए जाने वाले बजट में यह दिखाई भी देगा। मोहन सरकार का फोकस मोदी की बताई चार जातियों के कल्याण पर रहेगा। इसलिए बजट में इन चार जातियों के कल्याण से जुड़े विभागों की लाटरी खुल सकती है। माना जा रहा है कि इन जातियों के लिए शुरू किए गए कल्याण मिशन के नोडल विभागों को बड़ा बजट मिलने जा रहा है, जो बीते बजट से करीब 15 से 18 फीसद बढ़ा हुआ होगा।

4 लाख 25 हजार करोड़ से अधिक का हो सकता है बजट सरकार का कुल बजट 4 लाख 25 हजार करोड़ से अधिक का हो सकता है। मुख्य तौर पर सरकार का फोकस पूंजीगत व्यय पर रहेगा। लाड़ली बहनाओं के लिए भी अच्छी खासी रकम का इंतजाम रहेगा। लेकिन इन बहनाओं के लिए किसी तरह की कोई राशि की बढ़ोतरी की बात नहीं आनी है।

चार मिशन शुरू कर चुकी है मोहन सरकार

असल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिन चार जाति युवा, महिला, गरीब व किसान कल्याण पर जोर दिया है। राज्य सरकार इन चारों जातियों को साधने के लिए मिशन शुरू कर चुकी है। प्रत्येक मिशन में विभागों के समूह बनाकर संबंधित जाति के समग्र विकास को फोकस किया है।

युवा कल्याण मिशन के लिए उच्च शिक्षा, महिला के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, गरीब कल्याण के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और किसान कल्याण मिशन के लिए किसान कल्याण एवं कृषि विभाग को नोडल एजेंसी है। इस तरह इन चार प्रमुख विभागों पर तो फोकस रहेगा ही, इनके साथ उक्त जातियों के कल्याण के लिए जिन विभागों को जोड़ा है, उनका भी बजट बढ़ाया जाएगा।

विकसित मप्र से विकसित भारत की झलक

विकसित भारत का रास्ता विकसित मप्र से ही होकर गुजरने वाला है। ऐसे में जो बजट आना है, उसमें विकसित मप्र की झलक दिखाई देगी। इसके लिए पूंजीगत व्यय पर खास फोकस रहेगा, ताकि इसके जरिए विकसित मप्र के लक्ष्य को साधा जा सके। वित्त विभाग ने उन सभी मदों को नए सिरे से खंगाला है, जिनको आर्थिक ग्रोथ देकर विकसित मप्र के लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि केंद्र का बड़ा जोर राज्यों के समग्र विकास पर है। खासकर भाजपा शासित राज्यों से केंद्र को ज्यादा अपेक्षा है। मोहन सरकार को इस बात का अहसास है। मुख्यमंत्री व मोहन सरकार के कई मंत्री कहते रहे हैं कि विकसित भारत के

विद्या भारती के पूर्णकालिक कार्यकर्ता वर्ग का हुआ समापन

कार्यकर्ता की भूमिका व्यक्तिगत नहीं, समाज व शिक्षा जगत में प्रभावी हस्तक्षेप आवश्यक: सोनी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अखिल भारतीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता वर्ग का भव्य समापन शनिवार को राजधानी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर, शारदा विहार में हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी ने कार्यकर्ताओं को प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्रदान किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी ने कहा कि विद्या भारती के पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं की भूमिका केवल व्यक्तिगत या सांगठनिक स्तर तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि समाज और विशेष रूप से शिक्षा जगत में प्रभावी हस्तक्षेप आवश्यक है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग अवश्य करें, लेकिन यह ध्यान रखें कि यह हमारी मौलिक बुद्धिमत्ता को कमजोर न करे। तकनीक को साधन बनाएं, साध्य नहीं। समारोह के दौरान विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष दूसी रामकृष्ण राव ने पांच दिवसीय अभ्यास वर्ग (03 से 08 मार्च) की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रारंभ में डॉ. राम कुमार भावसार ने अतिथियों का परिचय कराया, जबकि प्रांत अध्यक्ष मोहन लाल गुप्ता एवं सचिव डॉ. शिरोमणि दुबे ने स्वागत किया। देशभर से आए 700 से अधिक पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं ने इस अभ्यास वर्ग में भाग लिया, जिनमें विद्या भारती के शीर्ष पदाधिकारी भी शामिल हुए।

प्रवृत्ति व्यक्ति को ले जा रही वास्तविकता से दूर

वरिष्ठ प्रचारक सुरेश सोनी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव और उससे उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि तकनीक की प्रगति से मशीनों की क्षमता बढ़ रही है, लेकिन इसके दुष्प्रभावों के चलते मानव की शारीरिक एवं मानसिक क्षमताएं प्रभावित हो रही हैं। डिजिटल युग की प्रवृत्तियों पर चिंतन करते हुए उन्होंने कहा कि आज व्यक्ति यात्रा भले ही विमान, बस या कार में कर रहा हो, लेकिन उसका मन वर्चुअल दुनिया में विचरण कर रहा होता है। यह प्रवृत्ति धीरे-धीरे व्यक्ति को वास्तविकता से दूर ले जा रही है, जिससे समाज और पारिवारिक जीवन पर भी प्रभाव पड़ रहा है।

गुरुकुलों-सरस्वती शिशु मंदिरों के विद्यार्थी आज विभिन्न क्षेत्रों में कर रहे श्रेष्ठता स्थापित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने उद्बोधन में भगवान राम और लक्ष्मण पर महर्षि विश्वामित्र के विश्वास का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि महर्षि ने असुरों के संहार के लिए राजा दशरथ से विशाल सेना नहीं मांगी, बल्कि उन्होंने भगवान राम की गुरुकुल में प्राप्त शिक्षा और संस्कारों पर भरोसा जताया। इस संदर्भ में विद्या भारती के गुरुकुलों और सरस्वती शिशु मंदिरों की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यहाँ से अध्ययनरत विद्यार्थी आज विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठता स्थापित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने भारतीय सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि भोपाल नगर में दो प्रमुख द्वारों का निर्माण किया जाएगा। जिसमें एक राजा भोज के नाम पर और दूसरा राजा विक्रमादित्य के नाम पर रहेगा।यह निर्णय देश के गौरवशाली इतिहास और परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा।

राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्यकर्ता वर्ग का समापन

विद्या भारती के इस अखिल भारतीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता वर्ग में विचार, व्यवहार एवं संगठनात्मक कार्यशैली पर गहन मंथन हुआ। विभिन्न सत्रों में शिक्षा, समाज एवं राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अभ्यास वर्ग ने कार्यकर्ताओं को नवीन दृष्टिकोण, प्रभावी रणनीति और समर्पण भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम के समापन पर विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री अवनीश भटनागर ने आभार प्रदर्शन किया और अंत में वंदे मातरम् का गान हुआ।

अब पीटीसी स्थापित करेगा मेपकास्ट ताकि बौद्धिक संपदा काम आ सके

26 अप्रैल तक होंगे एमओयू

भोपाल। अब मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद यानि मेपकास्ट पेटेंट सूचना केंद्र से एक कदम आगे बढ़ते हुए अपने सभी विश्वविद्यालयों में पेटेंट एंड टेक्नोलाजी सेंटर (पीटीसी) की स्थापना करने जा रहा है। इसके लिए सभी विश्वविद्यालयों को प्रस्ताव भेजकर दो-दो फैकल्टी तय करने के लिए कहा गया है। खबर के मुताबिक 26 अप्रैल को बौद्धिक संपदा दिवस के मौके पर प्रदेश के सभी 64 विश्वविद्यालयों से इस संबंध में समझौता (एमओयू) कर लिया जाए।

इस समझौते के आधार पर विश्वविद्यालय से तय प्राध्यापकों को तीन दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा और यही प्रशिक्षित प्राध्यापक अपने- अपने विश्वविद्यालय में (पीटीसी) का संचालन करेंगे। ये लोगों को तकनीकी सहायता भी उपलब्ध कराएंगे। दरअसल मेपकास्ट का कहना है कि आमतौर पर लोग कोई नवाचार या आविष्कार तो कर लेते हैं, लेकिन पेटेंट कराने से पूर्व ही इसकी जानकारी को सार्वजनिक कर देते हैं। जब काम मुकम्मल होने के बाद वे पेटेंट कराने पहुंचते हैं तो पता चलता है कि उनके आइडिया को चुराकर कोई और व्यक्ति पेटेंट करा चुका है। इसी प्रकार कई ऐसी बौद्धिक संपदाएं भी हैं, जिन्हें लोगों ने पेटेंट तो करा लिया है, लेकिन कोई काम नहीं कर रहे, उनके लिए ये विचार सिर्फ संपत्ति बनकर रह गए हैं। इन संपदाओं से ना तो पेटेंट कराने वालों ने खुद लाभ उठाया और ना ही दूसरों के लिए फायदेमंद साबित हुई।

इसकी वजह यह रही कि पेटेंट को बाजार में लाने के लिए उन्हें उचित प्लेटफार्म कभी मिला ही नहीं। इसके पीछे जानकारी का अभाव, दूरी और दूसरी वजहें हो सकती हैं। इसी समस्या को देखते हुए विश्वविद्यालयों में पीटीसी खोलने का फैसला हुआ है। यह पीटीसी अब खोज, आइपीआर को लेकर ट्रेनिंग, विद्यार्थियों और शोधार्थियों को नई तकनीक के बारे में बताने व ओरिएंटेशन प्रोग्राम का संचालन करेंगे। इनोवेशन का प्रमोशन, एसएमई के लिए आइपीआर सल्युशन, पेटेंट डाफ्टिंग ट्रेनिंग, स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने का काम करेगा। वहीं प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण और इनोवेटर्स मीट का आयोजन भी करेगा।

बीसीआई: एआईबीई-19 की फाइनल आंसर की जारी

भोपाल। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने ऑल इंडिया बार परीक्षा-19 की फाइनल आंसर की जारी कर दी गई है। बीसीआई की ऑफिशियल वेबसाइट पर यह जारी की गई है। इस परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थी इसे डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थी फाइनल उत्तर कुंजी के माध्यम से अपने प्रश्न उत्तरों का मिलान कर सकते हैं और साथ ही अपने रिजल्ट का अनुमान भी लगा सकते हैं।

कार्निवाल में हुनर और उत्साह का रंग, प्रतिभा का प्रदर्शन

हिरदाराम नगर। भारत की विविधता का संदेश देते हुए सजी हुई मनमोहक रंगोली, ऐड-मैड शो में क्रिएटिविटी का प्रदर्शन, मेहंदी और टैटू में कलाकारी का शोकेस उत्साह को बढ़ा रहे थे। एक तरफ जहाँ नुक्कड़ नाटक में सामाजिक विषयों को अत्यंत ही रोचक तरीके से उकेरा गया, वहीं प्रतिभा एवं ऊर्जा टैलेंट हंट में देखने को मिली प्रतिभागियों को बोरवन के अंदर छिपे हुए क्लू को ढूं?कर लाना एक रोमांचकारी अनुभव रहा। संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के द्वारा आयोजित इंटर-कॉलेज मेगा इवेंट कार्निवाल की, जहाँ 8 इवेंट्स, 30 से ज्यादा कॉलेज एवं 3000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी, डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर एवं ग्रुप एडवाइजर पी. ऐस. राठौर ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी एवं आईपर पीजी कॉलेज को रनर-अप ट्रॉफी हासिल की।

अब मेडिकल कॉलेज पहले आदिवासी जिलों में खोलने की तैयारी कर रही मध्यप्रदेश सरकार

सीएम डॉ. यादव ने झाबुआ में की घोषणा, इसी जिले से की जाएगी शुरूआत

– ओंकारेश्वर में एकात्मधाम के निर्माण की गति बढ़ेगी

– नर्मदा नदी के किनारे परिक्रमा पथ संवारा जाएगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सरकार का जोर अब तक गैर आदिवासी जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने पर था, अब इसमें बदलाव होगा। पहले आदिवासी जिलों को प्राथमिकता दी जाएगी। झाबुआ से इसकी शुरुआत होगी।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने खुद इसकी घोषणा की है। यही नहीं, झाबुआ समेत आसपास के जिलों की प्रमुख छोटी नदियों को नर्मदा से जोड़ने की संभावनाओं पर काम किया जाएगा।

वहीं ओंकारेश्वर में विकसित किए जा रहे आदि शंकराचार्य के स्थल के कामों में तेजी लाई जाएगी, उसके अलग ओंकारेश्वर तीर्थ स्थल का समग्र विकास किया जाएगा। प्रसिद्ध ज्योर्तिलिंग मंदिर का निर्माण भी इसमें शामिल है।

नर्मदा घाटों का जीर्णोद्धार

सरकार नर्मदा के किनारे स्थित धार्मिक घाटों का सौंदर्यीकरण करेगी। सीएम ने रविवार ओंकारेश्वर में कहा कि नर्मदा परिक्रमावासियों की मदद के लिए जगह-जगह आधुनिक सुविधाएं विकसित कराएंगे। एप आदि की सुविधा देंगे। घाटों पर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में नए काम करेंगे। रासायनिक युक्त युक्त खेती की जगह जैविक व प्राकृतिक खेती के किए किसानों को प्रोत्साहन देंगे। दूध उत्पादन करने वाले किसानों को अतिरिक्त् मदद उपलब्ध कराएंगे। जनजातीय त्यौहारों को शासकीय तौर पर मनाएंगे। एक अप्रैल से 19 धार्मिक स्थलों पर शराबबंदी करेंगे।

संपादकीय

विवादों की भाषा पर विराम जरूरी

पिछले कुछ दिनों से दो प्रांतों में तेजी से भाषा पर राजनीति का साया गहरा रहा है। पहले तो तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने राज्य में हिंदी थोपने और प्रादेशिक भाषा को नष्ट करने का आरोप केंद्र पर लगाया और फिर मराठी को लेकर सियासत गरमा गई है। संघ के नेता सुरेश भैयाजी जोशी का यह बयान सुर्खियों में है कि मराठी मुंबई की भाषा है और बाहरी लोगों और अन्य भाषाएं बोलने वालों को भी इसे समझना और सीखना चाहिए। जबकि एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि मुंबई की कोई एक भाषा नहीं। हालांकि इसमें दो मत नहीं कि महाराष्ट्र और मुंबई में मराठी को राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान के रूप में देखा जाता है। यहां की राजनीतिक अस्मिता इसी से तय होती है। मगर यह किसी को नहीं भूलना चाहिए कि भारत विविध संस्कृतियों और भाषाओं वाला देश है। लोग एक से दूसरे राज्य में रोजी-रोटी के लिए जाते हैं, तो अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा-बोली भी साथ लेकर जाते हैं। हर राज्य में भाषा का सौंदर्य इसी से समृद्ध होता है। इसका उदाहरण हम मुंबई में देख सकते हैं तो देश के कुछ और राज्यों की राजधानियां या कारोबारी शहर यही बानगी पेश करते हैं। जहां तक तमिलनाडु का सवाल है तो इसमें परिसीमन भी एक मुद्दा है। जैसा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने परिसीमन के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाकर यह साफ कर दिया है कि इस मसले को अब और टालना संभव नहीं होगा। हिंदी भाषा को लेकर उनकी टिप्पणियां भी विवादित रही हैं। साफ है कि वे इन दोनों ही मुद्दों पर दक्षिणी राज्यों को एक पाले में करने की राजनीति कर रहे हैं, जिसे देश के संघीय ढांचे के लिए ठीक नहीं कहा जा सकता। परिसीमन के मुद्दे पर दक्षिणी राज्य चिंतित हैं, लेकिन तमिलनाडु अत्यधिक मुखर है। स्टालिन चाहते हैं कि वर्ष 1971 की जनगणना को 2026 से तीस वर्षों के लिए लोकसभा सीट के परिसीमन का आधार बनाया जाए। मगर उन्हें समझना चाहिए कि परिसीमन संवैधानिक जरूरत है, जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि संसद में जनता के प्रतिनिधित्व और आबादी में हो रही बढ़ोतरी का अनुपात ठीक बना रहे। यह कोई नई प्रक्रिया नहीं है। अब तक तीन बार हुए परिसीमन में राज्यों में आबादी के हिसाब से न्यायसंगत रूप से सीटों की संख्या निर्धारित हुई। मगर अगले साल तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव है। यही वजह है कि क्षेत्रीय भावनाएं सुलगाने की मुहिम में स्टालिन जुटे हुए हैं। स्टालिन ने हाल में नवयुगलों को जल्दी परिवार की योजना बनाने का सुझाव दिया और इसे परिसीमन के मुद्दे से जोड़ दिया। जहां तक भाषा का सवाल है, तमिलनाडु में शुरू से तीन भाषा नीति का विरोध होता रहा है। तीन भाषा नीति का हालिया विरोध ऐसे वक्त में हो रहा है, जब दक्षिण के राज्य परिसीमन को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं। उन्हें डर है कि परिसीमन होने पर लोकसभा में दक्षिण के राज्यों की सीटें कम हो सकती हैं, जिससे केंद्र में उनकी आवाज कमजोर हो जाएगी। ऐसे में परिसीमन और हिंदी का विरोध एक साथ चल रहा है और दोनों एक-दूसरे को मजबूती दे रहे हैं। दरअसल, परिसीमन के बाद लोकसभा और विधानसभा की सीटों में बदलाव होगा। जनसंख्या के लिहाज से उत्तर भारत का पलड़ा भारी है। दक्षिण भारत के राज्यों को यही डर है कि जनसंख्या नियंत्रण पर बेहतर काम का उन्हें नुकसान न उठाना पड़े। क्षेत्रीयता को हवा देना स्टालिन को राजनीति की आसान डगर लग सकती है, लेकिन राजनीति के महारथियों को देश के संघीय ढांचे और देश के लोगों की भावनओं के बारे में गहराई से तथा अपने हितों से ऊपर उठकर सोचना चाहिए।

आतंकियों के साथ शहरी नक्सलियों पर नियंत्रण का अभियान

■ आलोक मेहता

कथित खलिस्तान के नाम पर ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में कुछ आतंकवादी समूह न केवल सक्रिय हैं बल्कि कथित मानव अधिकार के नाम पर कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठन और राजनीतिक दल के नेता भी उनका समर्थन करते हैं।

लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर पर खालिस्तान समर्थक समूह द्वारा हमले की कोशिश पर भारत सरकार ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। कथित खलिस्तान के नाम पर ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में कुछ आतांकवादी समूह न केवल सक्रिय हैं बल्कि कथित मानव अधिकार के नाम पर कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठन और राजनीतिक दल के नेता भी उनका समर्थन करते हैं। ब्रिटेन में लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रतिपक्ष में रहकर वोट बैंक के लिए या भारत को कमजोर देखने के लिए उनका समर्थन करते रहे हैं। अब लेबर पार्टी सत्ता में हैं और वह भारत के साथ अच्छे संबंधों के लिए प्रयासरत है। ऐसी स्थिति में भारत का कड़ा विरोध आवश्यक है। लेकिन भारत में भी पाकिस्तान तथा अन्य देशों के माध्यम से फन्डिंग पा रहे कथित खालिस्तानी आतंकी अथवा नक्सली अब भी कुछ इलाकों में समय समय पर हमले की कोशिश करते हैं। उत्तर प्रदेश और पंजाब पुलिस के समूह ने इसी सप्ताह खालिस्तानी आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल तथा पाकिस्तानी आई एस आई के सदस्य लजर मसीह को महाकुंभ में आतंकी वारदात की साजिश के सबूतों के साथ गिरफ्तार किया है। यहाँ भी चिंता कि बात यही है कि मानव अधिकार के नाम पर कुछ राजनीतिक दल भी आतंक के आरोपियों और नक्सली गतिविधियों में सक्रिय अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग दे रहे लोगों का समर्थन करते हैं।

इसी संदर्भ में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर देश का ध्यान दिलाया है कि कुछ प्रदेशों के जंगलों में सक्रिय नक्सलियों पर नियंत्रण और उनके आत्मसमर्पण में सरकार और सुरक्षा बालों को बहुत हद तक सफलता मिली है। जहां पहले देश के करीब सौ जिलों में नक्सली आतंक था, वहाँ अब करीब दो दर्जन जिलों तक सीमित रह गया है। लेकिन अब अर्बन नक्सल के खतरे अधीक बड़ गए हैं। आतंकी और नक्सल गतिविधियों में शामिल तत्वों को उन राजनीतिक दलों का समर्थन मिल रहा है जो स्वयं उनकी गतिविधियों के शिकार रहे हैं। वे कभी महात्मा गांधी की विचारधारा को आदर्श मानते रहे लेकिन अब वे हिंसक गतिविधियों वाले तत्वों का समर्थन करने लगे हैं। यहाँ तक कि ऐसे राजनीतिक दलों के नेता अथवा प्रगतिशील कहने वाले बुद्धिजीवियों के समूह उनसे सहानुभूति रख रहे हैं। जबकि हिंसा और अलगाववाद में सक्रिय लोग विकास और विरासत के घोर विरोधी हैं। प्रधानमंत्री की यह चिंता स्वाभाविक हैं क्योंकि अमेरिका तथा अन्य देश आतंक और हिंसा के खिलाफ विश्व अभियान में भारत को आदर्श भूमि की तरह देखना चाहते हैं। अंतर राष्ट्रीय शांति प्रयासों में भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका को महत्वपूर्ण माना जाता है।

शहरी नक्सल पर चिंता का मुद्दा पहली बार नहीं उठा है। कॉंग्रेस राज में गृह मंत्री रहे पी चिदंबरम ने पश्चिम बंगाल में नक्सलवादियों द्वारा सुरक्षा बलों के शिविर पर कातिले हमले के बाद स्वयं कहा था कि ÷मानवधिकारवादी ऐसी नक्सली हिंसा की निंदा तो करें। किसी भी नागरिक अधिकार संगठन या वामपंथी बुद्धिजीवियों की जमात ने इस गंभीर हत्या की घटना पर भी एक शब्द आलोचना का नहीं कहा।÷ इस दृष्टि से अब कॉंग्रेस पार्टी प्रतिपक्ष में रहकर ऐसे तत्वों का समर्थन कर रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों स्पष्ट रूप से यह घोषणा भी कर दी है कि भारत सरकार 2026 तक नक्सलियों के आतंक को पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। दूसरी तरफ राहुल गांधी न केवल भारत में बल्कि अमेरिका और यूरोप तक की यात्राओं के दौरान भारतीय संविधान और मानव अधिकार हनन कि स्थिति के आरोप लगा रहे हैं। वे तो उन मंचों पर भारत में सिक्खों के पगड़ी या कड़ा पहनने पर संकट तक के बेबुनियाद आरोप लगाते हैं। इस तरह के बयानों का लाभ कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में सक्रिय भारत विरोधी आतंकी संगठनों को मिलता है। वहीं भारत में कुछ लेखक, वकील और पत्रकार प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से हिंसक गतिविधियों में शामिल लोगों तक की गिरड्तारी पर आपत्ति व्यक्त करते हैं। उनके लिए धन और कानूनी सहायता जुटाई जाती है। निश्चित रूप से इन आरोपों पर निर्णय अदालत तय करती है लेकिन कानूनी कार्रवाई महीनों और वर्षों तक चलती हैं।

आतंकी संगठन इस सहनुभूति का लाभ उठाकर शहरों मे अपने अड्डे बनाने लगे हैं। मावावादी पहले छपी हुई सामग्री का इस्तेमाल करते रहे और अब टीवी चैनलों और सोशल मीडिया पर भारत विरोधी गतिविधियों को सही ठहराने लगे हैं। वर्षों पहले देश के एक वरिष्ठ पत्रकार अमूल्य गांगुली ने कहा था कि ÷ऐसे बुद्धिजीवियों को लेनिन कि परिभाषा के अनुसार ÷यूजफुल ईडियट÷ कहा था, जो यह जानते हुए भी कम्युनिष्टों के प्रति व्याकुल रहते है कि उनका लक्ष्य कथित सड़ चुकी बुरजुवा व्यवस्था को उखाड़ फेंकना है।÷ दुर्भाग्य की बात यह है कि दिल्ली, मुंबई से लेकर पंजाब, हिमाचल जैसे क्षेत्रों में फैले ऐसे अर्बन नक्सल हथियारबंद हिंसा को भी आतंककवादी गतिविधि नहीं मानते हैं। वे इस हिंसा को सुरक्षाबलों को ÷खाकी आतंकवाद÷ की संज्ञा देते हैं। अर्बन नक्सल के समर्थन और शरण मिलने से नक्सली सरकारी गवाह बने पूर्व साथियों, पुलिस और सुरक्षा बालों को वर्ग शत्रु कहकर निशाना बनाते हैं। अर्बन नक्सल समूह वास्तव में भारतीय संस्कृति और विरासत का ही विरोध नहीं करते, वरन विकास का भी विरोध करते हैं। इसीलिए छत्तीसगड़, झारखंड, उत्तराखंड, हिमाचल जैसे प्रदेशों में औद्योगिक विकास के विरुद्ध आंदोलनों को प्रोत्साहित किया जाता है। महाराष्ट्र और तमिलनाडु में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के विरुद्ध धरने और आंदोलन चलाए जाते हैं। आदिवासी महिलाओं के हितों की बात करने वाले संभवतः इस बात पर भी ध्यान नहीं देते कि मावावादी नक्सली अथवा खालिस्तानी आतंकवादी कुछ मासूम महिलाओं को बर्गलाकार अपने गिरोह में शामिल करते हैं और उनके साथ बाद में बलात्कार तक होता है। छतीसगड़ में आत्मसमर्पण करने वाले ऐसे आदिवासी युवक युवतियों ने स्वयं कुछ वर्ष पहले एक इंटरव्यू के दौरान मुझे इन ज्यादतियों की वीभत्स दास्तान सुनाई थी। सरकार जहां अब भी नक्सलियों से आत्मसमर्पण की अपील भी कर रही है वहाँ एन जी ओ के नाम पर फन्डिंग पर नियंत्रण के प्रयासों को अदालतों में चुनौती दी जा रही है। पिछले दो-तीन वर्षों में अर्बन नक्सल भारतीय चुनाव व्यवस्था पर भी प्रश्न चिन्ह लगा रहे हैं और पराजित होने वाले राजनेता भी उनकी भाषा बोलने लगे हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह ने भी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए नक्सलियों को सबसे बड़ा खतरा बताया था। विडंबना यह है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा कभी नक्सली हिंसा से परेशान था और सख्ती से निपटने की बात करता था लेकिन सत्ता में आने के बाद शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन परिवार तथा पार्टी कहने लगी कि शिव शक्ति से मुकाबला नहीं किया जा सकता। नक्सलियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। पश्चिम बंगाल और झारखंड में तो नक्सली खुद ही सत्ता में शामिल हो गए। चुनावी बहिष्कार के नक्सली प्रयासों और अर्बन नक्सल के दुष्प्रचार के बावजूद छत्तीसगड़ और जम्मू कश्मीर जैसे राज्यों में चुनाव के दौरान भारी मतदान हुआ। बहरहाल यह लड़ाई लंबी है और इस पर नियंत्रण के लिए सरकार और समाज को हरसंभव अभियान चलाने होंगे। (साभार)

जारी है अपने हिस्से के आकाश की तलाश

■ दीपिका अरोड़ा

निस्संदेह, महिलाओं के प्रति समाज का नज़रिया काफी हद तक बदला है किंतु इसे समानता तक पहुंचने में अभी मीलों सफ़र तय करना बाकी है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के तहत, देश की श्रमशक्ति में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के बराबर हो जाए तो जीडीपी में 27 फ़ीसदी तक वृद्धि हो सकती है।

आत्मनिर्भरता अपने आप में एक महत्वपूर्ण गुण है, जो मनुष्य को स्वावलंबी बनाने के साथ मानसिक तौर भी सशक्त होने का अहसास दिलाता है। महिलाओं के दृष्टिकोण से विचारें तो वित्तीय संयोजन से अभिप्राय मात्र अपने पैरों पर खड़े होने तक सीमित न होकर आर्थिक आत्मनिर्भरता, स्वतंत्रता, सुरक्षा और शक्ति के बारे में है, जो उनके व्यक्तिगत जीवन से लेकर समुदायों, समाज तथा भावी पीढ़ियों तक को बदल सकता है।यूं भी महिलाओं का घर की चारदीवारी में सिर्फ़ चूल्हेङ्कचौके तक सीमित रहना बीते युगों की बात हो चुकी है। आधुनिक नारी घर-परिवार संभालने के साथ पारिवारिक आमदनी बढ़ाने में भी पुरुष के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। विविध क्षेत्रों से संबद्ध निजी व सरकारी संस्थाओं में सेवाएं देने के साथ आज ऐसी महिलाओं की भी कमी नहीं, जो नौकरी करने की अपेक्षा स्वरोज़गार सृजित करने की आकांक्षी हैं। ये महिलाएं बड़े शहरों की उच्च डिग्रीधारक न होकर किसी छोटे से गांव या कस्बे से संबंधित हो सकती हैं, जिनके मन में कुछ अलग कर दिखाने का जज़्बा भरा है। आत्मनिर्भरता के स्तर पर नारी सशक्तीकरण को प्रमाणित करती है नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच, ट्रांस यूनियन सिबिल तथा माइक्रोसेव कंसल्टिंग द्वारा संयुक्त रूपेण तैयार की गई ताज़ा रिपोर्ट, जोकि देश में महिलाओं की वित्तीय प्रगति एवं क्रेडिट जागरूकता के मद्देनज़र हो रही उल्लेखनीय वृद्धि का तथ्य उजागर करती है।

आसमान छूने की इन साहसिक कल्पनाओं में सतरंगी आभा भरने का श्रेय काफी हद तक जाता है उन योजनाओं को, जो उद्यमिता के क्षेत्र में पदार्पण की चाहवान महिलाओं को बैंकिंग प्रणाली से जोड़कर ऋण सुविधा प्रदान करते हुए उन्हें स्वरोज़गार के अवसर उपलब्ध करवाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। इनमें प्रमुख हैं जन धन योजना, महिला उद्यमी मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया तथा प्रधानमंत्री रोज़गार प्रोत्साहन योजना। इसके

साथ माइक्रोफाइनेंस संस्थान एवं महिला-केंद्रित क्राउडफंडिंग प्लेटफ़ार्म जैसे ग्रामीण फाउंडेशन इंडिया, मिलाप आदि भी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के इस सद?प्रयास में मददगार बनकर आगे आ रहे हैं। यह परिदृश्य स्पष्ट संकेत है आधुनिक नारी की उस प्रगतिशील सोच का, जो वित्तीय प्रबन्धन में स्वायत्तता की हिमायती है। रिपोर्ट के मुताबिक़, विगत पांच वर्षों में कर्ज़ लेने वाली महिलाओं की संख्या में तीन गुना बढ़ोतरी देखने में आई। इन महिलाओं में से 60 फ़ीसदी ग्राम्य अथवा अर्धशहरी क्षेत्रों से संबंध रखती हैं; सामाजिक व आर्थिक विकास के दृष्टिगत निश्चय ही यह एक सुखद संकेत है।

निःसंदेह, बैंकिंग व्यवस्था में डिजिटल भुगतान ने महिलाओं के लिए कर्ज़ लेना व इसका प्रबन्धन करना अपेक्षाकृत सरल बना दिया है, जिसके चलते व्यावसायिक उद्देश्य की पूर्ति हेतु लिए जा रहे कर्ज़ में महिलाओं की भागीदारी 14 फीसदी बढ़ी। वे नियमित तौर पर अपने क्रेडिट स्कोर भी जांच रही हैं। यही नहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की एक पूर्व रिपोर्ट के मुताबिक़, देश के शेयर बाज़ार निवेशकों में हर चौथा निवेशक एक महिला ही है। वित्तीय आत्मनिर्भरता न केवल आर्थिक स्वतंत्रता देती है बल्कि पुरानी रूढ़ियों को चुनौती देते हुए सांस्कृतिक मानदंडों को भी बदलती है। दरअसल, वित्तीय स्वतंत्रता व आत्मविश्वास के मध्य घनिष्ठ संबंध है। अध्ययनों से पता चला है कि महिलाएं जब वित्तीय संसाधनों पर नियंत्रण रखते हुए प्रभावी ढंग से प्रबंधित करती हैं तो इससे उनका आत्मसम्मान बढ़ता है। वे यह जानकर अच्छा महसूस करती हैं कि वे अपने व परिवार के लिए प्रावधान कर सकती हैं। सुरक्षित होने की भावना जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी आत्मविश्वास बढ़ाती है, जिसमें उनके करियर व रिश्ते भी शामिल हैं।

इसके बावजूद संख्या के आधार पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में देश की आधी आबादी की हिस्सेदारी अभी मात्र 18 फ़ीसदी है। इसमें एक बड़ा कारण है, पर्याप्त जानकारी का अभाव। महिलाएं अक्सर ऐसे नेटवर्क्स तथा मार्गदर्शकों तक पहुंच नहीं बना पातीं, जो उनके व्यवसाय के विकास हेतु अनिवार्य माने गए हैं। व्यवसाय पंजीकरण, संपत्ति अधिकारों तथा लाइसेंसिंग जैसी कानूनी समस्यायों के साथ तकनीकी संसाधनों व डिजिटल उपकरणों की कमी आदि भी एक बड़ी समस्या बनकर उभरती है। सामाजिक दबाव, अत्यधिक अपेक्षाएं एवं महिलाओं के कौशल व नेतृत्व क्षमता पर उठाए जाते प्रश्न भी उसे बेझिझक आगे बढ़ने से रोकते हैं। निस्संदेह, महिलाओं के प्रति समाज का नज़रिया काफी हद तक बदला है किंतु इसे समानता तक पहुंचने में अभी मीलों सफ़र तय करना बाकी है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के तहत, देश की श्रमशक्ति में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के बराबर हो जाए तो जीडीपी में 27 फ़ीसदी तक वृद्धि हो सकती है। पर्याप्त अवसर व संसाधन मिलें तो निश्चय ही देश की अर्थव्यवस्था में महिलाएं निर्णायक योगदान दे पाएंगी। (साभार)

ईर्ष्या में तम ही तम नहीं होता, कुछ सत् भी होता है।
- प्रेमचन्द

आज का इतिहास

- 1876 में अलेक्जेंडर ग्राहम बेल ने पहली सफल टेलीफोन कॉल की थी, जिसमें उन्होंने अपने सहायक थॉमस वॉटसन से कहा था, ÷मिस्टर वॉटसन, इधर आइए, मैं आपसे मिलना चाहता हूं,÷ और दुनिया भर में संचार में क्रांति ला दी थी.
- 1945 में यू.एस. आर्मी एयर फोर्स ने टोक्यो पर बमबारी की थी, जिसके परिणामस्वरूप एक विनाशकारी आग लगी थी जिसमें 100,000 से अधिक लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश नागरिक थे.
- 1959 में ल्हासा में चीनी शासन के खिलाफ तिब्बती विद्रोह शुरू हुआ, जिसके कारण दलाई लामा अंततः भारत भाग गए.
- 2012 में अमेरिकी रसायनज्ञ और नोबेल पुरस्कार विजेता फ्रैंक शेरवुड रोलैंड की मृत्यु.
- 2023 में ईरान और सऊदी अरब ने राजनयिक संबंध बहाल किए, जो मध्य पूर्वी भू-राजनीति में बदलाव था.
- 1922 में महात्मा गांधी को गिरफ्तार कर उन पर राजद्रोह का मुकदमा चलाया गया. उन्हें छह साल की सजा सुनाई गई, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से लगभग दो साल बाद रिहा किया. इस दिन 1932 में, प्रसिद्ध भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक और इसरो के पूर्व अध्यक्ष उडुपी रामचंद्र राव का जन्म हुआ था.

निशाना

आ रही दरार!

-कृष्णेन्द्र राय

धीरे धीरे गठबंधन में ।
आ रही दरार ।।
बह रही चुनाव की ।
अलग ही बयार ।।
आबोहवा बदल रही ।
आंख रहे तरेर ।।
काट रहे अब कन्नी ।
पहले थे दिलेर ।।
समय समय की बात है ।
चक्र रहा बदल ।।
हुए थोड़े दूर ।।
पास थे जो कल ।।
है चुनाव सर पर ।
मिल रहे ना मन ।।
बिगड़ रही जो बात ।
ना रहु वो बन ।।

बीजेपी के प्रदेश संगठन मंत्री ने जनप्रतिनिधियों के कार्यों की समीक्षा की

जनहितैषी कार्यों से जनता का विश्वास जीतें : जामवाल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी के मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने रविवार को नर्मदापुरम में जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनके कार्यों की समीक्षा की। प्रदेश संगठन महामंत्री हितानन्द शर्मा और प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जोशी भी इस दौरान उपस्थित रहे।

सर्किट हाउस में सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह राजपूत और पार्टी पदाधिकारियों द्वारा स्वागत के बाद दोपहर 12 बजे भाजपा कार्यालय में संभागीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नर्मदापुरम, बैतूल और हरदा जिले के जनपद पंचायत, जिला पंचायत, नगर पालिका और नगर परिषद के निर्वाचित भाजपा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष शामिल हुए।

विकास कार्यों और नवाचारों की जानकारी ली

बैठक के दौरान क्षेत्रीय और प्रदेश संगठन महामंत्री ने जनप्रतिनिधियों से उनके क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों और नवाचारों की जानकारी ली। उन्होंने पार्टी संगठन के विभिन्न अभियानों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

अपने कार्यों को मीडिया के माध्यम से साझा करें

जामवाल ने जनप्रतिनिधियों से कहा कि आपके द्वारा किए गए जनहितैषी कार्यों से जनता का विश्वास बढ़ेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी प्रतिनिधि अपने क्षेत्र के विधायक, सांसद एवं वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों से मार्गदर्शन लें और अपने विकास कार्यों को सोशल मीडिया के माध्यम से साझा करें।

एक देश, एक चुनाव और समर्पण निधि पर की चर्चा

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री शर्मा ने कहा कि हम सभी को एक देश, एक चुनाव के प्रस्ताव को समर्थन देना चाहिए और इसे राष्ट्रपति को भेजना चाहिए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने की योजना की जानकारी दी। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शताब्दी वर्ष में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में सहभागिता का आग्रह किया।

बैठक से पहले सुबह 10.30 बजे सर्किट हाउस में सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह राजपूत और भाजपा पार्टी पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद परिचय बैठक हुई।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में नर्मदापुरम, बैतूल एवं हरदा के भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला, सुधाकर पंवार, राजेश वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, नगर परिषद अध्यक्ष-उपाध्यक्ष सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महिला दिवस पर वरिष्ठ समाजसेवी, भाजपा नेता तोमर को किया सम्मानित

नर्मदापुरम। पूर्व भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष, वरिष्ठ समाजसेवी प्रेमलता तोमर को 'द' एमरल्ड इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में उनके सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया. प्रेमलता तोमर लंबे समय से महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में काम कर रही हैं और उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लिया है और रक्तदान शिविरों को बढ़ावा दिया है. इतना ही नहीं उन्होंने मां नर्मदा के घाटों के आसपास प्रदूषण मुक्त वातावरण के लिए सक्रिय रूप से काम किया और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण को प्रोत्साहित किया इसलिए उनके कार्यों की सराहना करने के लिए उन्हें डॉ श्रुति मालवीय, पूर्व प्राचार्य किरण शर्मा, सेवानिवृत्त एसडीओ कृपाल राजपूत, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी अकरम खान, समाजसेवी अरुण दीक्षित द्वारा सम्मानित किया गया कार्यक्रम के दौरान द एमरल्ड स्कूल के निदेशक मोहम्मद आदिल फाजली,के के शर्मा, लाखन रघुवंशी, केएन त्रिपाठी, डॉ.मयंक तोमर, अशोक दिवोलिया, ओपी मालवीय,ओ पी तिवारी, सुशीला बारगले, डॉ.सुरेंद्रजीत सिंह आदि सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के सदस्य उपस्थित थे।

महिला दिवस पर आंगनबाड़ी केंद्र में पीसीपीएनडीटी अधिनियम की दी जानकारी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के 8 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में 22 जनवरी से 8 मार्च तक बेटी बचाओ बेटी का पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. इसी के तहत केसला परियोजना के सेक्टर सेक्टर एक की आंगनवाड़ी केंद्र तवानगर 78/79 में बेटी बचाओ बेटी का पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया.इस कार्यक्रम के तहत सेक्टर पर्यवेक्षक चेतना ढीवरे द्वारा गर्भवती धात्री एवं उपस्थित महिलाओं को पीसीपीएनडीटी अधिनियम की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई पीसीपीएनडीटी एक्ट भारत सरकार द्वारा बनाया गया एक महत्वपूर्ण अधिनियम है इसके अंतर्गत प्रसव पूर्व गर्भधारण और प्रसव पूर्ण निधन तकनीकी अधिनियम 1994 द्वारा पारित एक महत्वपूर्ण कानून है जिसका उद्देश्य लिंग आधारित भ्रूण हत्या को रोकना और भारत के घटते लिंग अनुपात को सुधारना है. इस अधिनियम के तहत प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और इसके के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है इस अधिनियम के तहत लिंग परीक्षण करना कानूनी अपराध है. यदि इस तरह की गतिविधि पाई जाती है तो इस अधिनियम का उल्लंघन किया जाता है तो इसके लिए तीन से पांच साल की सजा और 10 से ?50000 तक जुर्माना लगाया जा सकता है. कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नफीस एवं रितु पथोरिया द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की विस्तृत में जानकारी भी दी जिसके तहत उन्होंने बालिका शिक्षा जेंडर समानता एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी दी.

अधिवक्ता संघ ने मातृशक्ति का किया सम्मान

नर्मदापुरम। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ नर्मदापुरम ने मातृ शक्ति न्यायधीशगण सहित साथी अधिवक्ताओ का सम्मान किया गया। जिला अधिवक्ता संघ सचिव मनोज जराठे ने बताया कि न्यायाधीश प्रियंका रतोनिया, दिव्या मित्तल, स्वाति कौशल, रूचि पांडे,फोरम सदस्य सरिता द्विवेदी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विजया कदम, कुसुम तोमर, शमशाद खान एवं अंजू मालवीय, पूनम शर्मा, शीला कश्यप, नीता चौधरी, दीप्ती राठौर, दीप्ति विश्वकर्मा, आशा यादव, पूजा अवस्थी, नेहा पांडे, सलोनी अग्रवाल, रिचा तोमर, गुरप्रीत कौर, नोविनो नायर, स्वाति राजपूत, नेहा चंडालिया, कौशल्या, अल्पना और नम्रता सहित अन्य अधिवक्ताओं का सम्मान संघ अध्यक्ष दीपक जैन, वरिष्ठ अधिवक्ता व्हीके चौहान, केके जराठे, जीआर सराठे, प्रदीप चौबे, एवं कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष मनोज यादव, सहसचिव क्षमा चौहान, कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा, ग्रंथपाल पीडी चौरे कार्यकारिणी सदस्य सीके कुरापा, सौरभ तिवारी, प्रकाश कुशवाह, अभिषेक दीक्षित, दीपक सोन सहित अधिवक्ता गणों की मौजूदगी में किया गया।

कोरी घाट पर चलाया नर्मदा सफाई अभियान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदा हमारी मां है । यहां का शिवलिंग बिना स्थापना किए भी पूज्यनीय होता है। सिर्फ एक ही नदी है नर्मदा जिसका हम परिक्रमा करते हैं। यह शिव पुत्री हैं , इनकी साफ-सफाई रखना हमारा धर्म भी है और कर्म भी। हम गंदगी न फैलाएं, स्वच्छता रखें स्वच्छता में भगवान का वास होता है । यह बात एसपीएम के संयुक्त महाप्रबंधक अखिलेश गुप्ता ने अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के नर्मदा साफ सफाई अभियान के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि हम साफ सफाई रखें ताकि हमें स्वच्छता की जरूरत ही ना हो, लेकिन यदि कहीं गंदगी है तो हम स्वच्छता रखें । मां नर्मदा हमारे जीवनदायनी है। उन्होंने अखिल

भारतीय कायस्थ महासभा के स्वच्छता अभियान की सराहना की ।महासभा द्वारा रविवार को स्थानीय कोरीघाट पर स्वच्छता अभियान के तहत कार्यक्रम किया गया । कोरी घाट पर किनारे से मलबा, गंदगी , कचरा कूड़ा इकट्ठा कर उसे एक तरफ इकट्ठा किया गया और बाद में डस्टबिन में डाला गया। कचरा डस्टबिन के अलावा फर्श के पास एकत्रित कर बाहर अलग स्थान पर रखा गया। इस मौके पर नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा प्रदीप श्रीवास्तव, केशव देव वर्मा, सी बी खरे, अभय वर्मा, लालदा प्रसाद, आदित्य, सुमन वर्मा, प्रीति खरे, ज्योति अभय वर्मा आदि मौजूद थे।

अखिल भारतीय कायस्थ समाज द्वारा प्रत्येक रविवार नर्मदा के घाटों की साफ सफाई करने का अभियान जन जागृति का माध्यम बन रहा है।

हनुमान चालीसा पाठ का 67 वां चरण संपन्न

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

हिन्दू चेतना सेवा समिति विदिशा मंडल द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान एवं युवाओं को धर्म एवं आध्यात्म से जोड़ने हेतु चलाया जा रहा। विशेष अभियान निरंतर जारी है अभियान के तहत समिति द्वारा प्रत्येक शनिवार को नगर के अलग अलग मंदिरों पर सात बार हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम के 67वें चरण में शनिवार को वाल्मीकि पुरा वार्ड में स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर पर हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। पाठ के उपरांत हनुमान जी और महादेव जी की आरती की गई। तत्पश्चात प्रसादी वितरण किया गया। समिति सदस्य अमन विश्वकर्मा ने बताया कि अगला हनुमान चालीसा का पाठ वार्ड नंबर 5 में मुस्कान सिनेमा के पास स्थित श्री महादेव मंदिर पर किया जाएगा। हनुमान चालीसा पाठ में समिति सदस्य सहित महिलाएं सम्मिलित हुई।

भागवत कथा को लेकर हुई बैठक

गंजबासौदा। रजोदा न्यायालय रोड स्थित नागेश्वर पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें आगामी दिनों में होने वाली भागवत कथा और शिवमहापुराण की तैयारियों की रूपरेखा तैयार की। एवं समिति ने सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई।मंदिर अध्यक्ष रजनी शर्मा एवं राजेश राय माथुर ने बताया प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी भागवत कथा एवं शिव महापुराण का आयोजन 27 मार्च से 4 अप्रैल तक होगा। जिसके कथा प्रवक्ता आचार्य पंडित विकास एलिया होंगे। धार्मिक आयोजन में श्रीमद् भागवत कथा में सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेवे।

सामाजिक समरसता मंच ने किया महिलाओं का सम्मान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

स्थानीय नेशनल स्कूल में सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच की सदस्यों ने उपस्थित होकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उपस्थितमहिलाओं का सम्मान किया. इस अवसर कार्यक्रम की अध्यक्षता के लिए समाजसेवी लक्ष्मण सिंह जी को आमंत्रित किया गया था लेकिन अचानक उनकी तबीयत ठीक ना होने के कारण उपस्थित नहीं हो सके चीफ गेस्ट डॉक्टर श्रुति मालवीय संरक्षक कृपाल सिंह राजपूत अध्यक्ष अरुण दीक्षित कार्यकारिणी अध्यक्ष मोहम्मद अकरम खान ने महिला दिवस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की. अशोक दीबोलियां डॉ मयंक तोमर के एन त्रिपाठी डॉ सुरेंद्र जीत सिंह लखन रघुवंशी अशोक परसाई

ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया केके शर्मा ओम प्रकाश मालवीय ओपी तिवारी ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज की संस्था की किरण शर्मा हिना अली नेहा थापक सुशीला वरगले जय बाला निगम सहित उपस्थित विद्यालय की शिक्षकों का सम्मान किया गया. कार्यक्रम का सफल संचालन डायरेक्टर मोहम्मद आदिल फाजली द्वारा किया गया.

सावित्री महिलामंडल ने किया सेवा भावी बहनों का सम्मान

गंजबासौदा। नेहरू युवा केंद्र के तत्वाधान में सावित्री महिला मंडल की सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मंडल की संरक्षक रिटायर्ड परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास वंदना तिवारी, रिटायर्ड शिक्षिका सोनाली शेवड़े, बाल कल्याण समिति सदस्य लक्ष्मी शर्मा रश्मि देशपांडे ,हेमा राय ,कांति शर्मा पार्लर प्रशिक्षिका, अर्चना गोस्वामी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे । कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रचलन कर किया गया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से हमारे घरों में काम कर रही हमारी सहयोगी सेवा भावी बहनों का सम्मान किया गया । इस अवसर पर महिलाओं को सम्मानित किया गया। महिलाओं के द्वारा चेयर रेस एवं खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

मेट्रो एंकर विप्र महासभा का 8वां परिचय सम्मेलन संपन्न, 22 जोड़ों की बनी सहमति,180 युवाओं ने दिया परिचय

महासभा के भव्य ब्राह्मण महाकुंभ में प्रतिभाएं विप्र चाणक सम्मान से हुई सम्मानित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सर्व विप्र महासभा के द्वारा रविवार 9 मार्च को ब्राह्मण महाकुंभ के प्रदेश स्तरीय युवक युवती परिचय सम्मेलन का सफल आयोजन बाबई रोड स्थित स्वयंवरम गार्डन में हुआ। विप्र समाज के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश दुबे ने बताया कि इस भव्य आयोजन में शहर के ब्राह्मण गुरु राष्ट्रीय पुरस्कार सम्मानित आचार्य डॉक्टर गोपाल प्रसाद खड्डर के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्यातिथि पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा, अध्यक्षता भृगु भार्गव समाज के प्रदेश अध्यक्ष नर्मदा शंकर भार्गव, अति विशेष अतिथि में पूर्व संघ प्रचारक चेतन भार्गव,रामसेवक शर्मा,विशेष अतिथि आचार्य सुरेश शर्मा , भाजपा नेता पीयूष शर्मा,आचार्य वीरेंद्र शुक्ला,आचार्य अजय दुबे, राजीव पाठक,आशीष चटर्जी, राजीव दुबे,वरिष्ठ समाजसेवी नरेंद्र तिवारी, पंकज शुक्ला, संजीव मिश्रा, दीपेश दुबे,

जयशंकर तिवारी सहित सैकड़ों विप्र जनों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा ने ऐतिहासिक सफल आयोजन पर विप्र समाज के सभी प्रतिनिधियो को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज ब्राह्मण समाज को इस एकता की बहुत जरूरत है। आज सभी विप्र को एक मंच के नीचे लाकर मुकेश दुबे ने समाज की एकता को फिर से इकट्ठा कर दिया। वहीं समाज के युवा अमित दीवान की मृत्यु पर मंच से दीवान परिवार की मौजूदगी में मौन धारण कर सभी विप्र परिवार ने श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं पूर्व संघ प्रचारक चेतन भार्गव ने सफल आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि सभी विप्र को अपनी एकता की ताकत दिखाना पड़ेगा। आयोजन में प्रदेश भर से हजारों की संख्या में ब्राह्मण परिवारो ने उपस्थिति देकर सफल आयोजन बनाया। परिचय सम्मेलन में 180 युवक युवती ने अपना परिचय दिया। प्रदेश सहित नागपुर, रायपुर से भी विप्र परिवार शामिल हुए। परिचय सम्मेलन में शामिल परिजनों ने बातचीत कर 22 जोड़ों पर सहमति बनी।

विप्र समाज के कार्यक्रम में सम्मान समारोहों में 60 महिला पुरुष विद्वान विप्रजनों को सम्मानित किया गया। आयोजन में प्रदेश अध्यक्ष मुकेश दुबे द्वारा स्वागत भाषण में इस 8 वे परिचय सम्मेलन की जानकारी दी। मंच संचालक आनंद तिवारी द्वारा सभी विप्र परिवार को गीतों के द्वारा मनमोहक प्रस्तुति देकर आभार व्यक्त किया।

गौहत्या के आरोपियों का पुलिस ने निकाला जुलूस, न्यायालय में अधिवक्ताओं ने कहा-नहीं करेंगे पैरवी

दमोह, दोपहर मेट्रो

नगर के सीताबावड़ी क्षेत्र में गाय की हत्या को लेकर उपजे तनाव और आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है और आरोपियों के गिरफ्तारी के साथ ताबड़तोड़ कार्रवाई भी की जा रही है। जहां शुक्र शनि की दरमियानी रात पुलिस कुरैश मंडी समेत नगर में लगातार गश्त करती रही, वहीं घटना के दूसरे दिन शनिवार को पुलिस ने आरोपियों का जुलूस भी निकाला। हालांकि इस दौरान आरोपियों के चारों ओर हजारों की संख्या में लोग एकत्रित हो गए जिसके चलते पुलिस को आरोपियों को न्यायालय में ले जाने में पसीने छूट गए और मशक्कत के

बाद पुलिस आरोपियों को न्यायालय के समक्ष उपस्थित कर सकी।

मामले में कोतवाली पुलिस ने पांच आरोपियों पर दो अलग-अलग मामले पंजीबद्ध किए गए है, वहीं हिंदूवादी संगठनों की शिकायत पर पांच अन्य आरोपी भी गिरफ्तार किए गए हैं इन आरोपियों में एक महिला और एक नाबालिक भी शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों में से कई पर पूर्व से आपराधिक मामले दर्ज है और गौ हत्या जैसे संगीत अपराधों में संलिप्त होने के आरोप है। दोपहर बाद पुलिस मुख्य आरोपियों को कोतवाली थाना से भारी पुलिस बल के बीच जुलूस के रूप में चिकित्सीय परीक्षण के लिए जिला अस्पताल लेकर निकाली। इस दौरान आरोपियों के मुंह से गाय काटना पाप है पुलिस हमारी बाप है और गौ माता की जय जैसे नारे लगातार लगवाए जा रहे थे। अपराधियों का इस तरह जुलूस निकालते देख राह चलते लोग रुक कर इस नजारे को देखने लगे

एकत्रित हो गई हजारों की भीड़

जिला अस्पताल में करीब आधे घंटे तक आरोपियों के चिकित्सीय परीक्षण के दौरान वहां पर आमजनों की भीड़ एकत्रित होना शुरू हो गई। हालातो को देखते हुए पुलिस भी अलर्ट मोड पर आई और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाते हुए जिला अस्पताल से न्यायालय रोड को क्लियर कराया जाने लगा। जैसे ही पुलिस आरोपियों को जिला अस्पताल से बाहर लेकर निकाली एकाएक आक्रोशित भीड़ ने नारेबाजी शुरू कर दी।

फुटकर मांस की दुकानों की जांच करने पहुंची टीम, लाइसेंस होंगे निरस्त

सिरोंज। शनिवार को नगर पालिका स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना एवं पशु चिकित्सालय अधिकारी देवेंद्र व्यास द्वारा संयुक्त टीम दल बनाकर फुटकर मांस विक्रेताओं की दुकानों औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें प्राप्त शिकायत एवं अनुविभागीय अधिकारी के निर्देश किया गया। जिसमें मांस विक्रेताओं को हिदायत दी गई कि वह मांस विक्रय करने का कार्य शहर सीमा के अंदर ही कारे । किसी भी विक्रेता के द्वारा यदि शहर से बाहर मांस विक्रेता हेतु परिवहन किया गया तो संबंधित विक्रेताओं पर कड़ी कार्रवाई करेंगे लाइसेंस भी निरस्त करने की चेतावनी दी। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया गया कि हमने मांस की दुकानों पर विशेष रूप से साफ सफाई बनाए रखने के दिशा-निर्देश देते हुए कहा कहीं भी लापरवाही मिली तो लाइसेंस भी निरस्त किए जाएंगे कुछ विक्रेताओं के द्वारा शहर से बाहर मांस। बेचने का कार्य किया जा रहा है।

नशे का कारोबार तेजी से पसार रहा पैर

पथरिया पुलिस का नशे पर एक्शन, 7 किलो गांजे के साथ आरोपियों को किया गिरफ्तार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर के अलावा ग्रामीण अंचलों में भी नशे का कारोबार तेजी से पैर पसार रहा है। इसके चलती युवा पीढ़ी का भविष्य बर्बाद हो रही है ।पथरिया पुलिस ने गंजबासौदा से बेचने के लिए लाए गए गांजे को घेराबंदी करके दो आरोपियों के साथ एक मोटरसाइकिल को भी बरामद कर लिया है। मुखबिर की सूचना पर पथरिया पुलिस ने घेराबंदी करके उक्त कार्रवाई करते हुए 7 किलो गांजे के साथ दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है एक आरोपी फरार है उसकी तलाश जा रही है जब्त किए गए गांजे की कीमत 1 लाख से ऊपर है। पथरिया थाना प्रभारी ऋतुराज ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर नशा मुक्ति अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे के निर्देशानुसार जिले में नारकोटिक्स और अवांछनीय गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी

में एसडीओपी मनीष राज के निर्देशन में थाना प्रभारी ऋतुराज सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर अवैध नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाया गया। पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम रायखेड़ी में दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से गांजा लेकर आ रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी द्वारा तत्काल पुलिस टीम का गठन करके रणनीति बनाई गई।

टीम ने ग्राम रायखेड़ी में संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों की घेराबंदी करके इनको रोका पूछताछ एवं तलाशी के दौरान इनके पास रखे बैग से 7 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ (गांजा) बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 1,05,000/- रुपये आंकी गई है। साथ ही मोटरसाइकिल (कीमत लगभग 50,000/- रुपये) को भी जब्त किया गया।

गिरफ्तार हुए आरोपियों से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि बरामद गांजा घासीराम मीणा निवासी गंजबासौदा का है, जिसे बेचने के लिए लाया गया था। पुलिस ने मौके पर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया इनके विरुद्ध अपराध क्रमांक 24/2025, धारा 8/20 के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। इन आरोपियों से मिला गांज

अनिल पुत्र कल्लू चिड़ार, उम्र 31 वर्ष, निवासी गंजबासौदा,

दिनेश पुत्र रतनलाल बघेल, उम्र 37 वर्ष, निवासी रायखेड़ी, एवं घासीराम मीणा, निवासी गंजबासौदा की पुलिस को तलाश है यह पुलिस को चकमा दे रहा है जानकारी के अनुसार इसके द्वारा मादक पदार्थ का कारोबार बड़े स्तर पर किया जाता है।

पुलिस की अपील

पुलिस विभाग आम नागरिकों से अपील करता है कि यदि किसी को भी अपने क्षेत्र में नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार या संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलती है, तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। नागरिकों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

पत्रकारों की बैठक में हुई आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

रविवार को मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ इकाई की बैठक नवीन बस स्टैंड स्थित पत्रकार भवन में संपन्न हुई। उक्त बैठक में मुरैना अधिवेशन में अधिक से अधिक संख्या में पत्रकार साथियों को उपस्थिति एवं तहसील इकाई अध्यक्ष के संबंध में भी जिला अध्यक्ष नरेंद्र भदोरिया ने चर्चा की ओर सभी ने सर्व सहमति से पुनः मुकेश रघुवंशी को अध्यक्ष बनाने का समर्थन किया ।

इसके बाद श्री भदौरिया ने श्री रघुवंशी को तहसील इकाई का अध्यक्ष बनाने की घोषणा करते हें कहा कि मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की रीति नीति और पत्रकारों के हितों के लिए इसी तरह काम करते रहें ज्यादा संख्या मे सदस्य बनाए उन्होंने बैंठको संबोधित करते हुए कहा कि श्रमजीवी पत्रकार संघ हमेशा हर एक पत्रकार की चिंता करता है हमारे प्रांतीय अध्यक्ष भदोरिया सरकार से पत्रकारों की लिए कार्य करते हैं। हमारी कई मांगे पूर्ण हुई है जो बच्ची है उनको भी पूर्ण करवाने के लिए संघ कार्य कर रहा है एकता में ही बड़ी ताकत होती है। हम सबको मिलकर अधिवेशन में शामिल होना है पत्रकार सुरक्षा कानून लागू हो पत्रकारों के लिए कॉलोनी की सुविधाएं मिले 5 लाख तक का बीमा तहसील के पत्रकारों को भी मिले इसके अलावा टोल नाकों पर मध्यपदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के कार्ड मान्य हो उसका प्रयास भी संगठन प्रयास कर रहा है । महासचिव हाकम रघुवंशी ने प्रांतीय महा अधिवेशन के संदर्भ में बताया कि अधिवेशन मुरैना में हो रहा है इसमें साथियों की संख्या प्रयास उसका प्रयास करें।इस दौरान होली मिलन आयोजन भी हुआ एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी गई।

आज रामनवमी की तैयारियों के संबंध में होगी बैठक

सिरोज । , दोपहर मेट्रो

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामचंद्र जी के जन्मोत्सव पर श्रीराम जन्मोत्सव समिति के द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आने बाली 6 अप्रैल रविवार को रामनवमी का पर्व हर्षोल्लास से मनाया जाएगा इसके संबंध में कुरवाई रोड पर निजी गार्डन में आज शाम 5 बजे बैठक आयोजित की गई है । समिति ने सभी समाजजनों से विन्रम निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में बैठक में समय पर शामिल होकर सहयोग करें।

शहर में लगे जगह-जगह कचरे के ढेर, उड़ा रहे हैं स्वच्छता सर्वेक्षण की खिल्लियां

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शहर की सफाई व्यवस्था ठीक नहीं होने से जगह-जगह कचरा के ढेर लगे हैं गली मोहल्ला में नालियों की कई दिनों तक सफाई नहीं हो रही है कचरे से भरी पड़ी है दूसरी और सरकार ने जिनके कंधों पर वास्तविकता देखने की जिम्मेदारी है दी है वह स्वच्छता सर्वेक्षण की टीम भी खाना पूर्ति कर रही है।

नगर पालिका का दल जहां इनको लेकर जा उसी काम को देख रही जिन स्थानों पर गंदगी हो रही है वहां टीम नहीं जा रही है । केवल टीम भी खाना पूर्ति कररही है।पालिका परिषद के द्वारा शहर में स्वच्छता सर्वेक्षण

पखवाड़े के तहत अभियान चलाकर विशेष सफाई करने का दावा किया जा रहा है। सच्चाई मैं कुछ और ही दिखाई दे रहा है नगर पालिका शादी हाल के बाहर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं ऐसे हालात शहर में जगह बने हुए सफाई के नाम पर गली-मोहल्लों में कभी-कभार खानापूर्ति हो जाती है महीना तक इनकी सफाई नहीं होने से चौंक पड़ी हई है। एक तरफ विधायक उमाकांत शर्मा भी शहर को ग्रीन क्लीन बनाने के लिए कई बार नगर पालिका परिषद के अधिकारियों को निर्देशित कर चुके है उनके निर्देश भी धरातल पर गायब दिखाई दे रहे हैं। गरीब बस्तियों में तो हाल और भी बुरे है। स्वच्छता सर्वेक्षण के नाम पर भी सिर्फ खाना पूर्ति हो रही है।

मेट्रो एंकर लोक अदालत का शुभारंभ न्यायाधीश श्रीमती पल्लवी ने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया

नेशनल लोक अदालत में आपसी सहमति से पुराने मामलों का हुआ निराकरण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शनिवार को न्यायालय परिसर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन हुआ ना तुम जीते ना हमारे की तर्ज पर मामलों में सुलझा हुई । लोक अदालत का शुभारंभ न्यायाधीश श्रीमती पल्लवी ने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया नेशनल लोक अदालत में न्याय दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी पल्लवी के न्यायालय में 18 चेक बाउंस एवं 22 अपराधिक प्रकरण एवं पति-पत्नी विवाद भरण पोषण संबंधी 6 मामले दो अंडरस्टैंड चेक बाउंस के मामले पक्षकारों की आपसी सहमति से निराकरण हुआ नगर पालिका

परिषद के जलकर संपत्ति कर के 109 मामले निराकृत किए गए जिसमें नगर पालिका परिषद को 4828 67 रुपए की वसूली हुई तथा न्यायालय न्यायिक दंडाधिकारी सुश्री अंकित जैन के न्यायालय में पांच अपराधिक दो मामले पति पत्नी भरण पोषण संबंधी तीन चेक बाउंस के मामलों में पक्षकारों की सहमति से मामले निराकृत किए गए शायरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्युत के 137 मामले निराकृत हुए इन मामलों में विद्युत मंडल को 20 लाख 32 हजार रुपए की आमदनी हुई मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा मैनेजर कुमारी सेजल सोनी राजीनामा करने वाले पक्षकारों को पौधे भेंट किए गए ।इस दौरान अभिभाषक कपिल त्यागी, अवध नारायण श्रीवास्तव , काशीराम रघुवंशी,मदन मोहन गुजराती, मोहन शर्मा ,अशोक शर्मा, मुस्ताक खान गोरी ,सचिन शर्मा ,नीरज श्रीवास्तव, आशीष भृगु ,नितिन मित्तल, सुरेंद्र रघुवंशी आदि

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी

(खण्ड-ग, द्वितीय तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल)
दूरभाष नं. 2554567, 2554568, (coop.election.mp@mp.gov.in)
वसुधैव कुटुंबकम् PMAY LIG MIG रहवासी रखरखाव सहकारी संस्था मर्यादित कोकता भोपाल

सहकारी संस्था मर्यादित

जिला भोपाल के संचालक मण्डल के निर्वाचन हेतु कार्यक्रम

क्र.	विवरण	दिनांक
1	महिला पदों के विनिश्चय हेतु संचालक मण्डल की बैठक हेतु सूचना जारी किये जाने की तिथि	28.02.2025
2	महिला पदों के विनिश्चय हेतु संचालक मण्डल की बैठक की तिथि	03.03.2025
3	आमसभा की सूचना एवं निर्वाचन कार्यक्रम जारी किये जाने की तिथि	05.03.2025
4	नामांकन पत्र प्रस्तुत किये जाने की तिथि	12.03.2025
5	नामांकन पत्रों की जांच एवं वैध नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन की तिथि	12.03.2025
6	नामांकन पत्रों की वापसी, चुनाव लड़ने वाले अंतिम उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन एवं चुनाव चिन्हों का आवंटन की तिथि	13.03.2025
7	विशेष साधारण सम्मेलन में मतदान एवं मतगणना की तिथि	20.03.2025
8	रिक्त स्थानों एवं वृत्तिक संचालाकों के सहयोजन की तिथि	21.03.2025
9	रिक्त स्थानों के नामांकन की तिथि	22.03.2025
10	अध्यक्ष/उपाध्यक्ष एवं अन्य संस्थाओं में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों के निर्वाचन हेतु सूचना जारी किये जाने की तिथि	23.03.2025
11	अध्यक्ष/उपाध्यक्ष एवं अन्य संस्थाओं में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों के निर्वाचन की तिथि	26.03.2025

रिटर्निंग अधिकारी के लिए विशेष निर्देश

1. कलेक्टर द्वारा स्थानीय अवकाश घोषित किये जाने की स्थिति में भी उपरोक्त निर्वाचन कार्यक्रम यथावत जारी रखे। 2. निर्वाचन की समस्त कार्यवाही की मोबाईल फोन द्वारा विडियो रिकॉर्डिंग की जावे।

(एम.बी.ओझा)
म.प्र. राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी भोपाल

‘आईपीएल मेरा पहला कदम, अब सपना टीम इंडिया की जर्सी पहनना’

यूथ टेस्ट मैच में 58 गेंदों में ठोका शतक, 5 साल की उम्र में शुरू किया खेलना 14 साल के वैभव सूर्यवंशी पर राजस्थान रॉयल्स ने लगाया 1.10 करोड़ का दाव

जयपुर, एजेंसी

अंडर-19 क्रिकेट में तूफानी बल्लेबाजी से सबका ध्यान अपनी ओर खींचने वाले 14 साल के युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) में खेलने को लेकर बेहद उत्सुक हैं। राजस्थान रॉयल्स के ट्रेनिंग कैंप से जुड़ने के लिए गुलाबी नगर आए वैभव ने कहा, मेरा लक्ष्य आइपीएल में ज्यादा से ज्यादा रन बनाकर राजस्थान रॉयल्स को चैंपियन बनाना है। यह मेरा पहला आइपीएल है और मैं दिग्गज खिलाड़ियों के साथ खेलने को उत्सुक हूं। वैभव ने कहा कि मेरा सपना है कि मैं टीम इंडिया की जर्सी पहनूं और इसके लिए मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं। जनवरी, 2024 में बिहार के लिए प्रथम श्रेणी में पदार्पण करने के बाद वैभव ने सितंबर में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ यूथ टेस्ट सीरीज के दौरान तूफानी शतक लगा कर इतिहास रच दिया। उन्होंने 58 गेंदों में शतक ठोका था। बाएं हाथ के बल्लेबाज वैभव लेफ्ट आर्म स्पिनर गेंदबाज भी हैं। वैभव ने कहा, मैंने अब तक बिहार का प्रतिनिधित्व किया है। घरेलू क्रिकेट में खेलने का अनुभव आइपीएल में मेरे काम आएगा। वैभव ने बताया कि उन्होंने पांच साल की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा, मैं अपने गांव मोतीपुर से रोजाना 15 किलोमीटर दूर समस्तीपुर ट्रेनिंग के लिए जाता था। 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में पदार्पण किया।

वैभव ने बिहार के लिए कूच बिहार ट्रॉफी (अंडर-19) में झारखंड के खिलाफ 128 गेंदों पर 151 रन की तूफानी पारी खेल चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। मैच में वैभव ने 22 चौके और तीन छक्के जड़े। मैच की दूसरी पारी में उन्होंने 76 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने चार देशों के चतुष्कोणीय टूर्नामेंट में 53, 74, 0 41, और 0 का स्कोर किया था। टूर्नामेंट में इंग्लैंड अंडर-19 और बांग्लादेश अंडर-19 की टीमें भी शामिल थीं। वैभव अपने इस सफर का सारा श्रेय पिता संजीव सूर्यवंशी को देते हैं। वैभव ने बताया कि मेरे पिता पेशे से किसान हैं, लेकिन उन्होंने हमेशा मुझे प्रोत्साहित किया। मेरे लिए घर के पीछे ट्रेनिंग के लिए पिच तैयार किया। उसके बाद मुझे एकेडमी में दाखिल कराया। उन्होंने कहा, कम उम्र के कारण मुझे अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में स्टैंडबाय पर रखा गया था। लेकिन ईश्वर की कृपा रही कि मुझे रणजी ट्रॉफी खेलने का मौका मिल गया। वैभव ने 12 साल की छोटी उम्र में बिहार के लिए वीनू मांकड़ ट्रॉफी खेलते हुए सिर्फ पांच मैचों में लगभग 400 रन बनाए। इसके बाद उन्हें रणजी और यूथ टेस्ट खेलने का मौका मिला।

कोच बोले- रोहित अभी 2 साल और खेलेंगे, संन्यास अभी नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी

रोहित शर्मा अगले 2 साल संन्यास नहीं लेंगे। वे पूरी तरह फिट हैं। मुझे समझ नहीं आता कि लोग उनके रिटायरमेंट के पीछे क्यों पड़े हैं। यह कहना है भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड का। 37 साल के रोहित शर्मा ने रविवार को भारत को अपनी कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी का टाइटल जिताया। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया। रोहित ने फाइनल मैच में 76 रन की अहम पारी खेली। रोहित ने भी मैच के बाद कहा कि जैसा चल रहा है वैसा चलता रहेगा। मैं अभी संन्यास नहीं ले रहा हूं। लाड ने रोहित के संन्यास, उनकी कप्तानी और उनके मोटापे पर उठ रहे सवालों के जवाब दिए। मुझे लगता है कि रोहित-विराट दोनों में क्रिकेट बचा हुआ है और वे दो साल तक खेल सकते हैं। मुझे एक बात समझ नहीं आ रही है कि लोग रोहित के संन्यास के पीछे क्यों पड़े हैं। अभी टीम इंडिया के पास रोहित और विराट जैसे सीनियर खिलाड़ियों का विकल्प नहीं है। ऐसा नहीं है कि हमारे पास युवा खिलाड़ी नहीं आ रहे हैं, या उनके पास क्षमता नहीं है। अभी युवा खिलाड़ियों को अनुभव की जरूरत है। मुझे अभी तक उनके जैसी क्लेवरनेस किसी में नहीं दिख रही है।

रोहित फिट नहीं होते तो स्लिप-कवर में फील्डिंग नहीं करते रोहित के मोटापे पर लाड ने कहा- रोहित पूरी तरह से फिट हैं। अगर वे फिट नहीं होते तो स्लिप, कवर और मिडविकेट जैसी पोजीशन पर फील्डिंग नहीं करते। वे शॉर्ट फाइन लेग या थर्ड मैन पर फील्डिंग करते। किसने कहा कि वह मोटा है। वह पूरी तरह फिट है। जिसको जो बोलना था, उन्होंने बोल लिया। अगर वे फिट नहीं होते तो क्या सिलेक्टर्स उन्हें टीम में चुन लेते। इंडिया रोहित के घर की टीम नहीं है। वे इंडिया के लिए खेल रहे हैं। वे अगर फिट नहीं होते तो धोनी के बाद सफल कप्तान नहीं होते। रोहित बेस्ट कप्तान, प्लेयर्स पर भरोसा करते हैं कोच ने कहा- रोहित अपने प्लेयर्स पर भरोसा करते हैं, जब आप अपने प्लेयर्स को कॉन्फिडेंस देते हैं तो खिलाड़ी बेहतर करता है। वे अपने गेंदबाजों और बल्लेबाजों को सही तरीके से हैंडल कर पाया। अगर वे बेस्ट कप्तान नहीं होते तो ऐसा नहीं कर पाते। उसकी कप्तानी में टीम इंडिया का 93 फीसदी आईसीसी टूर्नामेंट के मैच जीतने का आंकड़ा नहीं होता। ऐसा रोहित ने अकेले नहीं किया, बल्कि टीम का साथ मिला, तभी यह संभव हो पाया। उसने सभी को अच्छे से हैंडल किया है, इसलिए बेहतर कर पाया। बता दें भारत ने 9 महीने के अंदर दूसरा आईसीसी टाइटल जीत लिया है। टीम ने दुबई में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल हराया। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने जून 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप भी जीता था। रविवार को दुबई में न्यूजीलैंड ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट खोकर 251 रन बनाए। भारत ने 49वें ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया।

कोपा इटालिया कप: फाइनल में अटलांटा को कड़े मुकाबले में 1-0 से हराया, जुवेंटस ने रिकॉर्ड 15वीं बार जीता खिताब

रोम, एजेंसी

जुवेंटस ने रोमांचक फाइनल में अटलांटा को 1-0 से हराया और रेकॉर्ड 15वीं बार कोपा इटालिया का खिताब जीता। सर्वाधिक कोपा इटालिया फाइनल (22) खेलने और जीतने (15) दोनों का रेकॉर्ड रखने वाली जुवेंटस ने आखिरी बार 2020-21 में अटलांटा को ही हराकर खिताब जीता था। जुवेंटस के लिए चौथे मिनट में दुसान व्लाहोविक ने एकमात्र गोल दागा।

मेट्रो बाजार

भारत के उपभोक्ता बाजार का आकार 2031 तक हो सकता है दोगुना

नईदिल्ली, एजेंसी

अनुमान जताया कि भारतीय उपभोक्ता बाजार का आकार 2031 तक दोगुना हो सकता है। इसके अलावे, भारत पांच वर्षों में वैश्विक विकास में 18त्न तक का योगदान दे सकता है। इस दौरान वित्त मंत्री ने विनिर्माण क्षेत्र को और अधिक बढ़ावा देने पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा था कि कई लोगों का सुझाव है कि भारत के पास सेवाओं में एक बड़ा अवसर है, लेकिन हम विनिर्माण को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। इसे अधिक निवेश और सरकारी नीतियों की मदद से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। सीतारमण ने कहा, ‘ मैं कुछ अर्थशास्त्रियों द्वारा दी गई इस सलाह के विपरीत कुछ रेखांकित करना चाहती हूं कि भारत को अब विनिर्माण पर ध्यान नहीं देना चाहिए या विनिर्माण में तेजी नहीं लानी चाहिए... । मैं इस तथ्य पर जोर देना चाहती हूं कि विनिर्माण में वृद्धि होनी चाहिए। भारत को नीतियों की मदद से वैश्विक मूल्य श्रृंखला में अपनी हिस्सेदारी भी बढ़ानी चाहिए।’ भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन सहित कुछ अर्थशास्त्रियों ने राय व्यक्त की है कि भारत को विनिर्माण के बजाय सेवा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए क्योंकि उसने वह अवसर गंवा दिया है। उनका कहना है कि चीन के विनिर्माण-आधारित वृद्धि मॉडल को अब और दोहराया नहीं जा सकता। हालांकि, सीतारमण ने कहा कि विनिर्माण के विस्तार से भारत को

आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। विनिर्माण क्षमता बढ़ाने का अवसर है क्योंकि दुनिया कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद ‘चीन प्लस वन’ रणनीति पर ध्यान दे रही है। ‘कैपजेमिनी रिसर्च इंस्टीट्यूट’ की मई में जारी रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यूरोप और अमेरिका में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए निवेश स्थलों की सूची में भारत शीर्ष पर है।

शिव नाडर ने एचसीएल कॉर्प की 47% हिस्सेदारी बेटी को दी

नई दिल्ली, एजेंसी

शिव नादर ने एचसीएल कॉर्प और वामा दिल्ली में दोनों में अपनी 47-47 फीसदी हिस्सेदारी अपनी बेटी रोशनी नादर मल्होत्रा को गिफ्टी कर दी है। वामा दिल्ली और एचसीएल कॉर्प में हिस्सेदारी के आधार पर, रोशनी एचसीएल इंफोसिस्टम्स और एचसीएल टेक की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर होंगी। एचसीएल इंफो में वामा दिल्ली की 12.94 फीसदी हिस्सेदारी और एचसीएल कॉर्प की 49.94 फीसदी हिस्सेदारी के कारण रोशनी वोटिंग अधिकार कंट्रोल करेंगी। यह कदम सक्सेशन का हिस्सा है। कंपनी में परिवार की लीडरशिप मजबूत करने के लिए ऐसा किया गया है। रोशनी ने केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई की है। वह एचसीएल टेक की चेयरपर्सन हैं। 43 साल की रोशनी नाडर मल्होत्रा कॉरपोरेशन की एग्जीक्यूटिव और सीईओ भी रही हैं। वे 28 साल की उम्र में कंपनी की सीईओ बन गई थीं। इसके साथ वे टैक्नोलॉजीज के बोर्ड की वायस चेयरपर्सन और शिव नाडर फाउंडेशन की ट्रस्टी भी रही हैं।

मुक्केबाजी, एलोर्डा कप: महिला बॉक्सरों ने सेमीफाइनल में दिखाया दमखम

निखत समेत 4 भारतीय फाइनल में

अस्ताना, कजाकिस्तान, एजेंसी

विश्व चैंपियन निखत जरीन ने गुरुवार को यहां एलोर्डा कप में कजाकिस्तान की टोमिरिस मिर्जाकुल को 5-0 से हराकर 52 किग्रा फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, मीनाक्षी (48 किग्रा) और मनीषा (60 किग्रा) ने क्रमश: कजाकिस्तान की गुलनाज और तंगतर असेम को सेमीफाइनल में आसानी से शिकस्त दी। अनामिका ने भी फाइनल जगह बनाई।

अंतिम-चार में कजाकिस्तान की गुलनार तुरापबे को तीन चेतावनियों के बावजूद अत्यधिक होल्डिंग के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया और अनामिका को जीत मिली।

मेईराबा एकल में सात्विक चिराग अंतिम-8 में पहुंचे

बैंकॉक, एजेंसी

भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी मेईराबा लुवांग और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी थाइलैंड ओपन सुपर 500 के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। इंफाल के मेईराबा ने अंतिम-16 में डेनमार्क के मैड्स क्रिस्टोफरसन को 50 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 22-20 से हराया। क्वार्टरफाइनल में अब उनका सामना विश्व चैंपियन और स्थानीय बैडमिंटन खिलाड़ी कुनलावुत विटिडसर्न से होगा। वही, सात्विक-चिराग ने दूसरे दौर में चीन की जोड़ी शेई साओ नान और झेंग वेई हान को 21-16, 21-11 से शिकस्त दी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

रकुल प्रीत बोलीं - ‘दे दे प्यार दे-2’ में मिलने वाली है मस्ती की डबल डोज

रकुल प्रीत सिंह ने ‘दे दे प्यार दे’ के पांच साल पूरे हो चुके है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म के दूसरे भाग को लेकर भी अपडेट साझा किया है। रकुल प्रीत सिंह, अजय देवगन और तब्बू की फिल्म ‘दे दे प्यार दे’ के पांच साल पूरे हो गए है। यह फिल्म 17 मई, 2019 को रिलीज हुई थी। फिल्म के दूसरे पार्ट की घोषणा काफी पहले हो चुकी है और दर्शक उसे देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दर्शकों के बीच इस बात को लेकर उत्सुकता का माहौल है कि ‘दे दे प्यार दे 2’ में क्या कुछ देखने को मिलेगा और फिल्म की कहानी कैसी होने वाली है? फैंस की इस जिज्ञासा को थोड़ा सा शांत करने के लिए खुद रकुल प्रीत सिंह ने अपनी ओर से एक छोटी सी कोशिश की है। रकुल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, आज उस यात्रा की बात करेंगे जिसने मेरे दिल को उस तरह से छुआ था, जिसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। ‘दे दे प्यार दे’ की मेरे भीतर हमेशा एक खास जगह रहेगी। यह एक प्यार और हंसी की कहानी है। मैं हर उस शख्स की आभारी हूं, जिसने इस फिल्म और इसके पात्रों को अपनाया। रकुल ने इसके आगे फिल्म के दूसरे भाग को लेकर बड़ी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि ‘दे दे प्यार दे 2’ में मस्ती की डबल डोज मिलने वाली है और इसके लिए वो बहुत खुश हैं।

अगले साल रिलीज होगा दूसरा पार्ट

खबर आई थी कि ‘दे दे प्यार दे-2’ अगले साल रिलीज होगी। खुद लव फिल्म्स और टी सीरीज की ओर से इसका एलान किया गया था। फिल्म का निर्देशन अंशुल शर्मा करेंगे। इसकी कहानी तरुण जैन और लव रंजन ने लिखी है। मालूम हो कि दे दे प्यार दे ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया था। फिल्म ने 103.64 करोड़ की मोटी कमाई की थी। अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह जल्द ही अजय देवगन और आर माधवन के साथ ‘दे दे प्यार दे 2’ में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग में व्यस्त अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि फिल्म का पटियाला शेड्यूल पूरा हो चुका है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अभिनेत्री ने अपनी वैनिटी से एक तस्वीर शेयर की और लिखा, और इसके साथ ही हम ‘दे दे प्यार दे 2’ के पटियाला शेड्यूल को पूरा कर चुके हैं। यह कितना संतोषजनक महीना रहा। यहां बहुत ठंडक थी और बहुत व्यस्त समय भी था, लेकिन मेरी टीम ने मुझे आसानी से काम पूरा करने में मदद की। मैं आयशा के रूप में वापसी और आप सभी के प्यार के लिए अपकमिंग फिल्म को लेकर उत्साहित हूं। मिरर सेल्फी में रकुल अपनी टीम के सदस्यों के साथ पोज देती हुई नजर आई। ‘दे दे प्यार दे 2’ में रकुल प्रीत ‘आयशा’ की अपनी भूमिका को दोहराती नजर आएंगी।

अभिनेत्री ने खोले वैवाहिक जीवन के राज शबाना-जावेद जल्दी-जल्दी नहीं मिलते हैं...

बॉलीवुड के मशहूर कहानीकार और गीतकार जावेद अख्तर और अभिनेत्री शबाना आजमी किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। दोनों की शादी को करीब चालीस साल हो चुके हैं। एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने अपने सफल वैवाहिक जीवन पर बात की है। जावेद अख्तर और शबाना आजमी हिंदी सिनेमा की काफी मशहूर पति-पत्नी हैं। जावेद जहां कई कालजयी फिल्मों के लेखक रहे हैं। वहीं, शबाना ने कई बेहतरीन फिल्मों में अपनी अदाकारी से चार चांद लगा दिए। दोनों फिल्म जगत के दिग्गजों की श्रेणी में आते हैं। साल 1984 में दोनों ने शादी रचाई थी। दोनों की शादी को 40 साल पूरे हो गए। हाल में ही शबाना ने दोनों की खुशहाल वैवाहिक जीवन पर बात की है।

बताया सफल वैवाहिक जीवन का राज

शबाना आजमी दिवंगत कवि कैफी आजमी की पुत्री हैं। अपने पिता की वजह कला उनके खून में थी। उन्होंने बतौर कलाकार अपना करियर फिल्मों में बनाने का निश्चय किया। इसके बाद वह कई बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा बनीं। इस दौरान वह जावेद अख्तर से मिलीं और फिर दोनों ने एक होने का फैसला कर लिया। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री ने बताया बकौल जावेद उनकी शादी टिकने के पीछे की वजह है कि दोनों जल्दी-जल्दी नहीं मिलते हैं।

पति-पत्नी को दोस्त की तरह होना चाहिए

वे कहते हैं कि हम दोनों के शादी की सफलता के पीछे का कारण है हम दोनों का अक्सर ना मिलना। हम दोनों दो विपरीत दिशा में दौड़ने में काफी व्यस्त हैं। शबाना दोनों के मिलन पर कहती हैं, हम दोनों एक जैसे पृष्ठभूमि से आते हैं। हम दोनों के पिता कवि और कम्युनिस्ट थे, साथ हीं उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखते थे। किसी चीज को लेकर हम दोनों का मत एक जैसा था। इन सभी कारकों को ध्यान में रख लोगों ने कहा कि हमें विवाह कर लेना चाहिए। अपने पति के साथ रिश्ता और सफल वैवाहिक जीवन पर अभिनेत्री ने कहा कि पति-पत्नी को एक दूसरे का सबसे खास मित्र होना चाहिए।

जान्हवी पूर और शिखर के रिश्ते की खबरें अक्सर सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। हाल ही में जान्हवी कपूर को उनके गले में शिखर के नाम का नेकलेस पहने हुए भी देखा गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करण जौहर ने अपने शो में दोनों के डेटिंग और ब्रेकअप के बारे में खुलासा किया था। हालांकि, एक बार फिर दोनों एक दूसरे के साथ सार्वजनिक तौर देखे जाने लगे। दोनों एक साथ तिरुपति मंदिर भी गए थे। अब जान्हवी कपूर ने अपने और शिखर पहाड़िया के रिश्ते को लेकर बात की है।

‘शिखू’ नाम का नेकलेस पहने दिखीं थी

हाल ही में अभिनेत्री जान्हवी कपूर को उनके गले में शिखर के नाम का नेकलेस पहने हुए देखा गया था। अभिनेत्री के नेकलेस पर ‘शिखू’ लिखा था। वहीं, दोनों एक साथ तिरुपति मंदिर भी गए थे। दोनों को मंदिर में देखकर प्रशंसकों ने कहा कि वह एक दूसरे के साथ बंधन में बंध गए। हालांकि, अभिनेत्री ने ‘कुछ भी’ लिखकर इन अफवाहों पर लगाम लगा दी थी। अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आगामी फिल्म की बात करें तो वह राजकुमार राव के साथ ‘मिस्टर एंड मिसेज माही’ में नजर आएंगी। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस पर दर्शकों ने काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया भी दी है।

15 साल की उम्र से दोनों हैं साथ

जान्हवी और शिखर के रिश्ते की इतनी अफवाहें उड़ने के बाद भी दोनों ने कभी आधिकारिक तौर पर अपने रिश्ते को लेकर बात नहीं की। अब एक साक्षात्कार में जान्हवी ने अपने और शिखर के रिश्ते को लेकर खुलासा किया है। जान्हवी ने साक्षात्कार में शिखर का नाम लेते हुए कहा, मैं जब 15-16 साल की थी तब से वह मेरी जिंदगी में है। मुझे लगता है मेरे सपने हमेशा से उसके सपने रहे हैं और उसके सपने हमेशा से मेरे सपने रहे हैं। हम एक दूसरे के बहुत करीब हैं। हम दोनों एक दूसरे के सपोर्ट सिस्टम हैं।

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित गांव रायपुर में मुख्य सड़क पर हादसा

दवा लेने जा रहे 90 वर्षीय बुजुर्ग की सड़क किनारे पेड़ से टकराई कार, मौत

घायल हुए वृद्ध का आठ दिन से चल रहा था निजी अस्पताल में इलाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित गांव रायपुर में मुख्य सड़क पर तेज रफ्तार कार सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। कार टकराने से ड्राइव कर रहे 90 साल के बुजुर्ग को गंभीर चोट आई थीं। घटना गत 28 फरवरी की रात करीब सवा 10 बजे की बताई जा रही है।

हादसे में घायल होने के बाद उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान रविवार सुबह उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार 90 साल के प्रभुलाल विश्वकर्मा, पंचवटी कॉलोनी निशातपुरा में रहते थे। गत 28 फरवरी को वह गांव रायपुर में एक डॉक्टर के पास इलाज कराने अपनी कार से गए थे।

खुद ही चला रहे थे कार

वे खुद कार चलाते थे और अकेले ही गए थे। डॉक्टर के पास से इलाज कराने के बाद वह कार से निशातपुरा अपने घर जाने के लिए निकले। रात करीब सवा 10 बजे रायपुर गांव से निकलते समय उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ में जा घुसी। राहगीरों ने उन्हें कार से बाहर निकालकर एंबुलेंस से अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां इलाज के दौरान रविवार सुबह उनकी मौत हो गई।

नाक और मुंह समेत सिर में थी गंभीर चोट

पुलिस ने बताया कि कार पेड़ से टकराने के कारण उनका सिर स्टेयरिंग से टकरा गया था। इससे उन्हें नाक मुंह और सिर में गंभीर चोट आई थी। उम्रदराज प्रभुलाल का इलाज चल रहा था। उन्हें आई चोट में तो आराम लग रहा था, लेकिन इस बीच उन्हें फेफड़े में संक्रमण हो गया। संक्रमण बढ़ने से उनकी तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई।

गुनगा इलाके में अज्ञात कारणों से अधेड़ व्यक्ति ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

पुलिस को नहीं मिला कोई सुसाइड नोट मर्ग दर्ज कर जांच में जुटा महकमा

भोपाल। गुनगा इलाके में रहने वाले एक अधेड़ व्यक्ति ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि वह मानसिक रूप से बीमार चल रहे थे। पिछले कुछ समय से उनका स्वभाव भी काफी चिड़चिड़ा हो गया था। थाना प्रभारी हरिशंकर वर्मा ने बताया कि रघुवीर चौकसे (56) ग्राम जैतपुरा गुनगा में रहते थे और खेती किसानी करते थे। उन्होंने घर के आंगन में लगे बबूल के पेड़ पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। परिजनों ने बताया कि पिछले कुछ समय से रघुवीर मानसिक रूप से बीमार चल रहे थे। अनुमान है कि इसी कारण उन्होंने यह कदम उठाया होगा।

आरोग्य भारती मध्यभारत प्रांताध्यक्ष चुने डॉ. राजेश

भोपाल के भदभदा रोड स्थित कृषि प्रशिक्षण केंद्र में हुआ प्रांत अभ्यास वर्ग

भोपाल। आरोग्य भारती मध्य भारत प्रान्त के प्रांतीय अभ्यास वर्ग का आयोजन भोपाल के राज्य कृषि विस्तार प्रशिक्षण संस्थान, भदभदा रोड भोपाल में किया गया। प्रांतीय अभ्यास वर्ग में मध्यभारत प्रान्त के 20 से अधिक जिलों से कार्यकर्ताओं व पाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रान्त की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमे वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक एवं स्पाइन सर्जन व नर्मदा अस्पताल समूह के प्रमुख डॉ. राजेश शर्मा को सर्वसम्मति से मध्यभारत प्रान्त का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। ज्ञात हो कि डॉ. राजेश शर्मा एक ऑर्थोपेडिक व स्पाइन सर्जन है एवं रोड व हाई वेलोसिटी ट्रॉमा के विशेषज्ञ हैं। पिछले 30 से अधिक वर्षों से अधिक समय से मध्यभारत में अपने चिकित्सा संस्थानो के माध्यम से सेवा में रत हैं। उनके सनातन स्वास्थ्य चिंतन के मॉडर्न मेडिसिन के परिपेक्ष्य में चिंतन पर गहन अध्ययन व कार्य एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य विषय पर गहन रुचि को ध्यान में रखकर उन्हें आरोग्य भारती में मध्यभारत प्रान्त के अध्यक्ष का दायित्व दिया गया। अभ्यास वर्ग में अनेक सत्रों का आयोजन हुआ। उद्घाटन सत्र को आरोग्य भारती के राष्ट्रीय सह संगठन सचिव डॉ. मुरली कृष्ण, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्यभारत प्रान्त के सह संघचालक डॉ. राजेश सेठी, पालक अधिकारी जगमीत सिंह नामधारी और मध्यप्रदेश शासन के स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने संबोधित किया। पूरे दिन चले सत्रों में वर्षभर चलने वाली कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा हुई।

ब्लिंकइट की फ्रेंचाइजी देने के नाम पर तीन लाख रुपए की युवक से की ठगी

भोपाल। शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित पुरान सेफिया कॉलेज के पीछे रहने वाले एक व्यक्ति को हैदराबाद के जालसाज ने तीन लाख रुपए का चूना लगा दिया। आरोपी ने कहा था कि वह ब्लिंकइट कंपनी में काम करता है। इसके बाद फ्रेंचाइजी देने के नाम पर तीन लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए। आरोपी ने फरियादी से कहा था कि पूना जाकर सामान की डिलेवरी ले लेना। फरियादी जब पूना पहुंचे तो पता चला कि उनके पास सामान के लिए कोई पैमेंट नहीं आया। फरियादी ने जालसाज के नंबर पर कॉल किया तो उसका मोबाइल बंद हो गया था। पुलिस के अनुसार मोनिश खान, पुराना सेफिया कॉलेज के पीछे शाहजहांनाबाद में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि गत 25 फरवरी 2024 को उनकी मोबाइल पर शेख इस्माइल से बातचीत हुई थी। शेख इस्माइल ने उन्हें बताया कि वह हैदाराबाद में रहता है ब्लिंकइट कंपनी के लिए काम करता है। मोनिस खान ने उन्हें कहा कि उन्हें भोपाल में ब्लिंकइट कंपनी की फ्रेंचाइजी दिला दो। इस पर शेख इस्माइल ने कहा कि वह तीन लाख रुपए डिपाजिट कर दें। बदले में पूना पहुंचकर व्यापारी से सस्ता माल मिल जाएगा। मोनिश ने आरोपी के बताए अनुसार तीन लाख रुपए का पैमेंट कर दिया। इसके बाद आरोपी ने कुछ दिन मोबाइल पर बात की फिर अपना मोबाइल बंद लिया।

शराब के तस्कर पकड़ने के लिए अभियान चला रही देहात पुलिस

भोपाल। पुलिस अधीक्षक देहात प्रमोद कुमार सिन्हा के निर्देश पर देहात के थानों में अवैध शराब की तस्करी करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान अलग-अलग इलाकों से तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास हजारों रुपये कीमत की अवैध शराब जब्त की गई है।

जानकारी के अनुसार गुनगा थाना पुलिस ने वाहन चैकिंग के दौरान बाइक सवार आजाद सिंह को पकड़ कर उसके अवैध रूप से रखी 250 क्वार्टर शराब जब्त की है। जब्त हुई शराब की कीमत करीब 21 हजार रुपए है। वहीं बिलखिरिया पुलिस ने खदान के पास मनमोहन उर्फ मोनू मीना, छावनी पठार चौराहे पर लक्ष्मी पंजाबी को अवैध शराब के साथ पकड़ा।

दो जगह से दबोचे

सूखी सेवनिया पुलिस ने ग्राम इमलिया में विजय शिल्पकार, परवलिया पुलिस ने ग्राम कुराना जोड़ के पास राजकुमार अहिरवार और शेखपुरा से नरेश लवाना को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया। इसी प्रकार नजीराबाद पुलिस ने जालम सिंह को अवैध शराब के साथ पकड़ा है।

हजारों रुपए की मदिरा बरामद

सभी आरोपियों के कब्जे से हजारों की अवैध शराब जब्त की गई है। नए शहर में चार शराब तस्कर पकड़ाए इधर नए शहर में टीटी नगर पुलिस ने सात नंबर बस स्टाप के पास विनोद चौरसिया निवासी हबीबगंज और बंगाली कालोनी पंचशील नगर से तिलक कामले निवासी टीटी नगर को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

एक स्कूटर भी जब्त

दोनों के पास से साढ़े 17 हजार रुपए कीमत की अवैध शराब जब्त हुई है। रातीबड़ पुलिस ने ग्राम नाथू बरखेड़ा के पास अजीत राय और अरेरा हिल्स पुलिस ने भीमनगर में एक स्कूटर से अवैध शराब जब्त की है। पुलिस ने शराब के साथ ही परिवहन में उपयोग की गई स्कूटर भी जब्त की है। सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किये गए हैं।

राजनीतिक प्रदर्शन के चलते बदला रहेगा शहर का ट्रैफिक

मध्यप्रदेश विधानसभा का सत्र आज से आरंभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश विधानसभा का सत्र आज से शुरू हो गया है। टीटी नगर थानांतर्गत रंग महल चौराहा स्थित जीटीबी कॉम्प्लेक्स के सामने राजनीतिक प्रदर्शन के चलते ट्रैफिक व्यवस्था बदली रहेगी। रोशनपुरा चौराहे से रंगमहल चौराहे की तरफ जाने वाले मार्ग पर अत्यधिक दबाव होने के कारण मार्ग परिवर्तित किया गया है। यातायात पुलिस ने आम जनता से अनुरोध किया है कि असुविधा से बचने के लिए उक्त मार्ग के बजाए वैकल्पिक मार्ग से आवागमन करें। किसी प्रकार की असुविधा होने पर यातायात थाने के दूरभाष क्रमांक 0755-2677340, 2443850 अथवा मोबाइल नंबर 7587602055 पर संपर्क किया जा सकता है।

परेशानी से बचने के लिए परिवर्तित मार्ग का प्रयोग

प्रदर्शन के चलते पुलिस ने रोशनपुरा चौराहा, काटजू अस्पताल, जवाहर चौक, होटल पलास, टीटी नगर स्टेट बैंक समेत अन्य प्रमुख मार्गो को पूरी तरह से बंद कर दिया है। प्रदर्शनकारी रोशनपुरा चौराहे से रंगमहल के बीच प्रदर्शन करेंगे। इस प्रकार होगा वैकल्पिक मार्ग जहांगीराबाद से रोशनपुरा होकर आने वाले अनुमति प्राप्त व्यवसायिक वाहन, सिटी बस आदि वाहन रोशनपुरा चौराहा, टीटी क्रास से अटल पथ होकर आवागमन कर सकेंगे। इसी प्रकार दोपहिया एवं चार पहिया जवाहर चौक से अटलपथ होकर आवागमन करेंगे। सुबह ग्यारह बजे से इन मार्गों पर अत्यंत आवष्यक होने पर ही आवागमन का प्रयास करें।

आवश्यक होने पर किलोल पार्क, माता मंदिर, पीएनटी चौराहा, विधानसभा रोड, लिंक रोड नम्बर-2 का उपयोग कर पुराने शहर की तरफ आवागमन किया जा सकेगा।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस आयुक्त ने ली बैठक, अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

भोपाल। पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र ने राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों की बैठक ली। बैठक में आगामी त्यौहार होलिका दहन, धुलेंडी, रंग पंचमी, चैत्र नवरात्र, रमजान, ईद-उल-फितर आदि के दौरान सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था के मद्देनजर त्यौहारों की तैयारियों, जुलूस मार्ग इत्यादि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी त्यौहार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण, भाईचारे की भावना से मनाने हेतु सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने एवं नगर रक्षा समिति, शांति समिति तथा गणमान्य नागरिकों की बैठक आयोजित कर आवश्यक चर्चा करने हेतु निर्देशित किया।

निजी स्कूलों की मनमानी जारी, फीस और पुस्तकों का ब्यौरा सार्वजनिक नहीं

भोपाल। प्रदेश में निजी स्कूलों द्वारा सत्र शुरू होने के पहले स्कूल फीस और पुस्तकों का ब्यौरा सार्वजनिक करने को लेकर शासन-प्रशासन द्वारा आदेश जारी किए गए हैं, लेकिन निजी स्कूल आदेश पालन नहीं कर रहे हैं और इनकी मनमानी जारी है। अंतिम तिथि निकलने के करीब दो माह बाद भी निजी स्कूलों ने फीस, पुस्तकों सहित अन्य ब्यौरा सार्वजनिक नहीं किया है। नतीजन अभिभावकों और बच्चों को परेशानी का सामना करना प? रहा है। विभागीय सूत्रों की माने तो पूरे प्रदेश में संचालित करीब 34 हजार 662 निजी?स्कूलों में से अब तक लगभग 400 स्कूलों की ओर से फीस की जानकारी सार्वजनिक की गई है और वह भी अधूरी है।?हालात यह हैं कि राजधानी भोपाल में ही अधिकारी आदेशों का पालन नहीं करा पा रहे हैं। इधर विभागीय अधिकारियों का कहना है कि आदेश का पालन कराया जाएगा। शासन-प्रशासन द्वारा प्रवेश, यूनिफार्म सहित पुस्तकों को लेकर कुछ माह पूर्व सख्त निर्देश जारी करते हुए 30 जनवरी तक ब्यौरा सार्वजनिक करने के निर्देश दिए गए थे। इसके साथ ही स्कूलों को आगामी शिक्षण सत्र प्रारंभ होने के पहले अनिवार्य रूप से लेखक एवं प्रकाशक के नाम, मूल्य के साथ कक्षा वार पुस्तकों की सूची स्कूल के सूचना पटल पर प्रदर्शित करने की बात कही गई थी। स्कूलों को निर्देश दिए गए थे कि वह प्रत्येक कक्षा में लगने वाली पाठ्यपुस्तकों एवं प्रकाशक की जानकारी को वेबसाइट पर अनिवार्यत: अपलोड करेंगे। इसके साथ ही हॉर्ड कॉपी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा करानी होगी, लेकिन इस आदेश पर अमल नहीं हो सका है।

मेट्रो एंकर मंगलवारा स्थित एक होटल में वारदात को दिया था अंजाम, प्रकरण दर्ज

3 माह से फरार दलित महिला का दुष्कर्मी पुलिस ने दबोचा

आरोपी को पुलिस ने शिवपुरी के पिछोर से गिरफ्तार किया अग्रिम जमानत लेने की कर रहा था तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मंगलवारा स्थित एक होटल में दलित महिला के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने शिवपुरी के पिछोर से गिरफ्तार किया है। आरोपी को पिछले तीन महीने से पुलिस तलाश रही थी। वह अग्रिम जमानत के फिराक में लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। जानकारी के अनुसार शिवपुरी का रहने वाले देवेंद्र शर्मा पिछले साल दतिया की एक दलित महिला को नौकरी दिलवाने के बहाने भोपाल लेकर आया था। अक्टूबर महीने में वह महिला के साथ मंगलवारा स्थित एक होटल में ठहरा और उसके साथ दुष्कर्म किया था। इतना ही नहीं उसने शिकायत करने पर महिला को जान से मारने की धमकी दी थी। पीड़िता ने इस मामले की रिपोर्ट दतिया के स्थानीय थाने में दर्ज कराई थी। केस डायरी आने के बाद दिसंबर महीने में पुलिस ने देवेंद्र शर्मा के खिलाफ दुष्कर्म और एससीएसटी समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। घटना के बाद से आरोपी फरार हो गया था, जिसकी तलाश की जा रही थी। अग्रिम जमानत की फिराक में था आरोपी आरोपी काफी शातिर है। वह लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। यहां तक कि उसने अपना मोबाइल भी किसी दूसरे व्यक्ति को दे दिया था। इसके बाद पुलिस ने उसके घर के आसपास मुखबिर तैनात किए थे। पिछले दिनों सूचना मिली कि आरोपी अपने घर आया हुआ है। इसी सूचना के बाद पहुंची भोपाल पुलिस की टीम ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अदालत से अग्रिम जमानत का प्रयास कर रहा था, लेकिन उसके पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेडी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022